Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 248
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-सोमवार ,05 जनवरी 2026 लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 पर्यटन विभाग की विशेष सचिव के खिलाफ

4 कांग्रेस ने शशि थरूर को दोराहे पर लाकर खड़ा कर

5 फोटोग्राफर्स के कपड़ों को लेकर जया बच्चन के कमेंट पर भड़के पैपराजी

काशी वॉलीबॉल चौंपियनशिपः

खेल के मैदान में जेन-जी को तिरंगा फहराते देख हमें गर्व होता है

पीएम मोदी ने किया वर्चुअली उद्घाटन

वाराणसी। यह काशी के इतिहास में पहली बार है जब किसी राष्ट्रीय स्तर के चौंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। डॉक्टर संपूणानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पोर्ट्स स्टेडियम से उपस्थित रहकर किया। यूपी वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी इस मौके पर उपस्थित रहे। उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि काशी के सांसद के नाते मेरी ओर से सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप में आप कड़ी मेहनत से पहुंचे हैं। काशी के मैदान में आपकी कड़ी परीक्षा होगी। आप सभी लोग श्एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत करेंगे। बनारसी भाषा में कहा जाता है कि बनारस को जानना है तो बनारस आना होगा। यह खेल-प्रेमियों का शहर है, कुश्ती, नौका दौड़, मुक्केबाजी यहां मशहूर हैं। काशी ने कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस चौंपियनशिप के दौरान जोश हाई रहेगा। वॉलीबॉल साधारण खेल नहीं है, यह संतुलन का खेल है, संकल्प का खेल

मुझे विश्वास है कि इस चौंपियनशिप के दौरान जोश हाई रहेगा

है। बॉल को हमेशा ऊपर ही उठाना होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं तो भारत की डेवलपमेंट स्टोरी और वॉलीबॉल को एक जैसा देखता हूं। टीम का को-ऑर्डिनेशन जरूरी होता है। टीम का हर सदस्य अपनी जिम्मेदारी निभाता है। देश के विकास में भी यही दिखाई पड़ता है। डिजिटल पेमेंट से लेकर हर क्षेत्र में ऐसी भावना दिखाई पड़ती है। जब देश विकास करता है तो यह आर्थिक मोर्चे तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खेल के मैदान पर भी यही झलकता है। उत्तर प्रदेश में देश की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी काशी ने खेल जगत में नया इतिहास रच दिया। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ. संपूणानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 4 से 11 जनवरी तक आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने कहा आज खेल समय बबार्दी का नहीं बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी, यह आपकी अविनाशी काशी भव्य आयोजन के लिए तैयार है। सबसे पहले प्रधानमंत्री जी का हृदय से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े ग्यारह वर्षों में पूरे भारत के समग्र विकास को सभी ने देखा है। भारत आधुनिकता के साथ नए संकल्पों के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है। आज सरकार की योजनाओं से जुड़कर गरीबी रेखा से ऊपर उठकर नया भारत हर कोई देख रहा है। खेलो इंडिया के माध्यम से खेल को लोगों ने नई दृष्टि से समझा है।

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू, कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है, जिसमें राजधानी से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। यह सत्र 5 जनवरी से शुरू होकर 8 जनवरी तक चलेगा। चार दिनों तक चलने वाले इस सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है। पुराना सचिवालय स्थित विधानसभा भवन एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा, जहां जनप्रतिनिधि दिल्ली की जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाएंगे। शीतकालीन सत्र होने के कारण सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। सत्र की औपचारिक शुरूआत सोमवार सुबह 11 बजे दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण से होगी। उपराज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही लगभग 30 मिनट के अंतराल के बाद शुरू की जाएगी। अभिभाषण में सरकार की नीतियों, आगामी योजनाओं और राजधानी से जुड़े प्रमुख मुद्दों का खाका पेश किए जाने की उम्मीद है ।इस बार शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार का विशेष फोकस प्रदूषण और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर रहेगा। राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सदन में विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही सरकार प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित एक प्रस्ताव भी सदन के पटल पर रखेगी। माना जा रहा है कि यह सत्र दिल्ली की राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। सत्र के दौरान सरकार सदन में तीन महत्वपूर्ण कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) रिपोर्ट भी पेश करेगी। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास, जिसे श्शीश महलश कहा जा रहा है, से जुड़ी रिपोर्ट शामिल है। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड से संबंधित कैग रिपोर्ट और दिल्ली सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों पर आई कैग रिपोर्ट भी सदन में रखी जाएगी। इन रिपोर्टों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

सार संक्षेप

पुलिस मुठभेड़ में किशोरी के साथ गैंगरेप करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सानभद्र के ओबरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक किशोरी को पहाड़ी पर ले जाकर गैंगरेप करने के तीन आरोपियों को एक हल्की मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लगी है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने रविवार को बताया की 2 जनवरी की शाम थाना ओबरा पर आवेदिका द्वारा लिखित तहरीर दी गई कि उसकी पुत्री उम्र करीब 17 वर्ष मजदूरी करने के उद्देश्य से ग्राम भलुआ टोला में किराये के कमरे में रहती थी।

उसकी पुत्री के साथ कार्य करने वाला राजगीर मिस्त्री पप्पू उर्फ बिन्दू यादव पुत्र रवि यादव निवासी कनहरा थाना ओबरा जनपद सोनभद्र ने अपने अन्य दो साथियों के साथ दिनांक 30 दिसंबर को उसकी पुत्री को भलुआ टोला के पूरब स्थित पहाड़ी पर ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया गया। मामले की जानकारी होते ही पुलिस टीम ने प्रकरण की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए मिशन शक्ति केन्द्र थाना ओबरा के माध्यम से पीड़िता एवं उसकी माता से तत्काल संपर्क स्थापित कर संवेदनशील वार्ता, काउंसलिंग एवं विश्वास बहाली की गई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र 2 फरवरी से शुरू

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र दो फरवरी से शुरू होगा। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कहा, मैं, मनोज सिन्हा, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का उप राज्यपाल जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 18(1) के तहत मुझे दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए जम्मू -कश्मीर विधानसभा को सोमवार, दो फरवरी, 2026 को सुबह 10.00 बजे जम्मू में बैठक के लिए आमंत्रित करता हूँ।उप राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला (वित्त विभाग प्रभारी) फरवरी के पहले सप्ताह में केंद्र शासित प्रदेश का दूसरा बजट पेश कर सकते हैं। बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किए जाने की संभावना है।इस बजट सत्र के लिए प्रत्येक विधायक बीस प्रश्न, चार प्रस्ताव और दो विधेयक प्रस्तुत कर सकता है। इस बीच, विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार, प्रत्येक विधायक 12 जनवरी, 2026 तक या उससे पहले अधिकतम दस तारांकित और दस अतारांकित प्रश्नों के नोटिस भेज सकते हैं। बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि वे 15 जनवरी, 2026 तक या उससे पहले अधिकतम दो विधेयकों के नोटिस भी जमा कर सकते हैं।

वेनेजुएला के तेल भंडार पर अमेरिकी नियंत्रण से मिल सकता है भारत का अटका हुआ बकाया

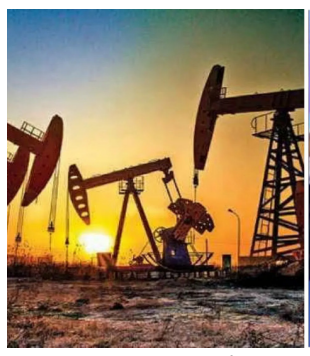

नई दिल्ली। विश्लेषकों और उद्योग सूत्रों के अनुसार, वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण अथवा उसके पुनर्गठन से भारत को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। विश्लेषकों ने बताया कि इस घटनाक्रम के चलते काफी समय से लंबित भारत के लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर के बकाये की वसूली हो सकती है और प्रतिबंधों से प्रभावित वेनेजुएला में भारतीय संस्थाओं द्वारा संचालित तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन भी बढ़ सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत एक समय वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था और अपने चरम काल में प्रतिदिन चार लाख बैरल से अधिक का आयात करता था। हालांकि, 2020 में अमेरिकी प्रतिबंधों और अनुपालन जोखिमों के कारण यह आयात बाधित हो गया था। भारत की प्रमुख विदेश तेल अन्वेषण एवं उत्पादन कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) पूर्वी वेनेजुएला के सैन क्रिस्टोबल तेल क्षेत्र का संयुक्त संचालन करती है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण आवश्यक तकनीक, उपकरण और सेवाओं तक पहुंच बाधित होने से वहां उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और व्यावसायिक रूप से उपयोगी भंडार लगभग फंस गए। वेनेजुएला सरकार ने इस परियोजना में ओवीएल की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी पर 2014 तक देय 53.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभांश अभी तक नहीं चुकाया है। इसके बाद की अवधि के लिए भी लगभग समान राशि बकाया है, किंतु ऑडिट की अनुमति न मिलने के कारण इन दावों का निपटान लंबित है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि अमेरिका वहां के तेल भंडार को अपनी निगरानी में लेता है, तो प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है। इसके बाद ओवीएल गुजरात और अन्य क्षेत्रों से रिग एवं अन्य उपकरण भेजकर उत्पादन में वृद्धि कर सकती है। इस समय यह उत्पादन घटकर मात्र 5,000 से 10,000 बैरल प्रतिदिन रह गया है। अधिकारियों का अनुमान है कि यदि उन्नत उपकरण और अतिरिक्त तेल कुओं का उपयोग किया जाए, तो उत्पादन बढ़कर 80,000 से 1,00,000 बैरल प्रतिदिन हो सकता है। इसके लिए आवश्यक रिग ओएनजीसी के पास पहले से उपलब्ध हैं। अमेरिकी नियंत्रण का अर्थ यह भी है कि वैश्विक बाजार में वेनेजुएला से निर्यात शीघ्र बहाल हो सकता है, जिससे ओवीएल को अपने पुराने बकाये की वसूली में सहायता मिलेगी।

ओवीएल ने पूर्व में अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) से विशेष लाइसेंस के तहत प्रतिबंधों में छूट की मांग की थी, जैसा कि शेवरॉन को प्रदान किया गया था। केप्लर के वरिष्ठ शोध विश्लेषक निखिल दुबे ने कहा कि प्रतिबंधों में ढील से व्यापार प्रवाह तेजी से बहाल हो सकता है और वेनेजुएला का कच्चा तेल फिर से भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, नयारा एनर्जी, इंडियन ऑयल और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी जैसी भारतीय रिफाइनरियों के पास भारी कच्चे तेल को संसाधित करने की उन्नत क्षमता मौजूद है। विश्लेषकों के अनुसार वेनेजुएला के तेल की वापसी से वैश्विक बाजार में कीमतों में स्थिरता आएगी और भारत जैसे आयातक देशों को रणनीतिक लाभ मिलेगा।

प्रियंका गांधी बनीं असम की स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष

पार्टी ने चुनाव को देखते हुए सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को असम में पार्टी ने स्क्रीनिंग कमेटी का प्रमुख नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लिए बीके हरिप्रसाद को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। केरल के लिए यह जिम्मेदारी मधुसूदन मिस्त्री, और तमिलनाडु और पुडुचेरी की जिम्मेदारी टीएस सिंह देव को दी गई है ।प्रियंका को पहली बार पार्टी ने स्क्रीनिंग कमेटी की जिम्मेदारी दी है। इस वर्ष होने वाले असम के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। असम में पिछले दस वर्षों से भाजपा सरकार में है।

अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ वामपंथी दलों ने विरोध-प्रदर्शन का किया ऐलान,

बोले-एक संप्रभु देश पर सीधा हमला

नई दिल्ली। देश के पांच प्रमुख वामपंथी दलों ने अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। रविवार को इन दलों ने एक बयान जारी कर वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी सैन्य हमले और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स के अपहरण की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला बताया ।वामपंथी दलों ने बताया कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु देश पर सीधा हमला किया है । उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हालिया टिप्पणियों ने हमले के पीछे के मकसद को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा, हम वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स के अपहरण की कड़ी निंदा करते हैं। यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ किया गया हमला है ।वामपंथी दलों ने राष्ट्रपति ट्रम्प की हालिया टिप्पणी की ओर इशारा किया जिसमें उन्होंने वेनेजुएला के तेल भंडार पर कब्जा करने की बात कही है। वामपंथियों ने इसे साम्राज्यवादी इरादे का सबूत बताया। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की टिप्पणियों की भी जोरदार आलोचना की, जिसमें उन्होंने क्यूबा और मैक्सिको को अमेरिकी कार्रवाई का अगला लक्ष्य बताया। वामपंथी दलों ने कहा, ये बयान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति 2025 जारी होने के कुछ दिनों बाद आए हैं।

मनरेगा से बेहतर योजना है विकसित भारत-जी राम जी, कांग्रेस गलत सूचना फैला रही : शिवराज

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (विकसित भारत-जी राम-जी) योजना को लेकर कांग्रेस गलत सूचना फैला रही है। चौहान ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विकसित भारत-जी राम-जी योजना के खिलाफ कांग्रेस के आगामी अभियान की आलोचना की और सवाल किया कि इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मौजूद क्यों नहीं थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम की घोषणा की

है। यह वास्तव में भ्रष्टाचार बचाओ अभियान है। उन्होंने कहा, मनरेगा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया था। ग्राम सभाओं द्वारा किए गए सामाजिक ऑडिट में 10,51,000 से अधिक शिकायतें मिलीं। एक ही काम दोहराया गया, काम मशीन से कराया गया, नहरों एवं सड़कों की सफाई के नाम पर धन की हेरा-फेरी की गई। तीस प्रतिशत मजदूर 60 वर्ष से ऊपर थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत 8,48,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए गए जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान दो लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए गए। क्या स्थायी संपत्तियां बनाई गईं? क्या इस धन का इस्तेमाल विकास के लिए हो सका? उन्होंने कहा, कांग्रेस झूठ की फैक्टरी है। अब वे कह रहे हैं कि मजदूरों को काम नहीं मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि विकसित भारत-जी राम-जी के तहत मजदूरों के हित बेहतर ढंग से सुरक्षित रहेंगे। चौहान ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में इस योजना के लिए 1,51,282 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे जिनमें से 95,600 करोड़ रुपये से अधिक केंद्र का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा, 125 दिन के लिए पर्याप्त धन है। इससे गांवों का विकास भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने दावा किया कि विकसित भारत-जी राम-जी, मनरेगा से बेहतर योजना है। उन्होंने कहा, कांग्रेस से मेरी अपील है कि वह गलत सूचना और झूठ न फैलाए। इसके बजाय, इस योजना को बेहतर बनाने के लिए उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देना चाहिए। कांग्रेस ने शनिवार को कहा था ।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन तुगलकी आदेश : गहलोत

राजस्थान । गहलोत ने कहा, यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा किए गए बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रविवार को इस कदम को तुगलकी आदेश करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बायतू को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानीझझधोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के बजाय और बढ़ गई है। गहलोत ने कहा, यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने की मंशा से नए जिले बनाए थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार जनभावनाओं को दरकिनार कर केवल सियासी रोटियां सेकने में व्यस्त है। उन्होंने इस कदम की कड़े शब्दों में निंदा की।

आज खेल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है: सीएम योगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में देश की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी काशी ने खेल जगत में नया इतिहास रच दिया। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ. संपूणानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 4 से 11 जनवरी तक आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने कहा आज खेल समय बबार्दी का नहीं बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है ।गरीबी रेखा से ऊपर उठकर नया भारत हर कोई देख रहाश इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री जी, यह आपकी अविनाशी काशी भव्य आयोजन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, सबसे पहले प्रधानमंत्री जी का हदय से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े ग्यारह वर्षों में पूरे भारत के समग्र विकास को सभी ने देखा है। भारत आधुनिकता के साथ नए संकल्पों के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है। आज सरकार की योजनाओं से जुड़कर गरीबी रेखा से ऊपर उठकर नया भारत हर कोई देख रहा है। सीएम योगी ने कहा, खेलो इंडिया के माध्यम से खेल को लोगों ने नई दृष्टि से समझा है। आज खेल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है। हर जनपद में विभिन्न खेलों के आयोजन निरंतर हो रहे हैं, जिससे खेल के आयाम बदल रहे हैं। गांव से लेकर शहर स्तर तक खेल की तमाम योजनाएं चल रही हैं और नई बन रही हैं। आज के इस पूरे आयोजन के पीछे प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा है। खेलों में आए बदलाव के पीछे प्रधानमंत्री जी का विजन है। उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में हर जनपद में स्टेडियम, ओपन जिम और खेलों को आगे बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। आज हमारे खिलाड़ी ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेलों में हिस्सा ले रहे हैं।

राम रहीम को फिर मिली पैरोल, हरियाणा सरकार ने 40 दिनों की पैरोल की दी मंजूरी

चंडीगढ़ । डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर पैरोल मिल गई है। राम रहीम को रोहतक स्थित जिला कारागार सुनारिया से 40 दिनों की पैरोल को मंजूरी दी गई है। राम रहीम दो साध्वियों से दुष्कर्म और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में सजा काट रहा है। जानकारी के मुताबिक, 15 सितंबर, 2025 को भी राम रहीम को 40 दिनों की पैरोल मिली थी। इस बार की पैरोल के साथ वह 15वीं बार जेल से बाहर आएगा। पिछली बार जब उसे 21 दिन और 40 दिन की पैरोल मिली थी, तब वह सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा में ही रहा था। इस बार भी 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद राम रहीम के सिरसा डेरे में ही रहने की संभावना जताई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण किया

गोरखपुरः रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण करने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने स्लीपर कोचों का बारीकी से निरीक्षण किया, जिसमें बैठने और सोने की व्यवस्था, आधुनिक इंटीरियर, सुरक्षा सुविधाएँ और यात्री सुविधा प्रणालियाँ शामिल थीं। ट्रेन में यात्री सुरक्षा और उपलब्ध सुविधाओं पर खास जोर दिया गया है। इस ट्रेन में स्वचालित दरवाजे, कवच सुरक्षा प्रणाली, आधुनिक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, कीटाणुनाशक तकनीक और सभी डिब्बों में सीसीटीवी निगरानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्वच्छता बढ़ाने और पानी के छींटे रोकने के लिए शौचालयों को खास तौर पर नई डिजाइनों के साथ तैयार किया गया है, जो यात्रियों के आराम और स्वच्छता पर भारतीय रेलवे के विशेष ध्यान को दशार्ता है। पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन असम के गुवाहाटी और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच चलेगी, जो देश में लंबी दूरी की रात्रिकालीन रेल यात्रा में एक क्रांतिकारी कदम होगा। ट्रेन के परीक्षण, जांच और प्रमाणीकरण की पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जनवरी में इस मार्ग पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान रेल अधिकारियों से बातचीत की और ट्रेन के तकनीकी पहलुओं की समीक्षा कर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पूरी तरह से तैयार है। ट्रेन में 16 कोच हैं, जिनमें 11 एसी थ्री-टियर कोच, चार एसी टू-टियर कोच और एक एसी फर्स्ट क्लास कोच शामिल हैं और इसमें करीब 823 यात्री सफर कर सकते हैं। उन्नत सस्पेंशन सिस्टम, एर्गोनॉमिक इंटीरियर और उच्च स्वच्छता मानकों के साथ इस ट्रेन को उत्कृष्ट यात्रा और आरामदायक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में यात्रा करने वाले मुसाफिरों को यात्रा के दौरान क्षेत्र विशेष व्यंजनों का आनंद मिलेगा। गुवाहाटी से शुरू होने वाली ट्रेन में प्रामाणिक असमिया व्यंजन परोसे जाएंगे, जबकि कोलकाता से शुरू होने वाली ट्रेन में पारंपरिक बंगाली व्यंजन उपलब्ध होंगे, जिससे ट्रेन में एक आनंददायक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भोजन का अनुभव होगा। 180 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार पर चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कम समय लेने के साथ ही आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराती है, जिससे साफ होता है कि भारतीय रेलवे यात्री-केंद्रित सेवाओं और तकनीकी नवाचार पर फोकस कर लगातार आगे बढ़ रही है।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म 30 घंटे में तीनों आरोपी अरेस्ट

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में शनिवार की सुबह एक किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने मां की तहरीर पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। एक दिन बाद यानी रविवार को तीनों को बिल्ली मारकुण्डी खनन क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हुआ है। आदिवासी किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने शनिवार की रात मुठभेड़ के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपियों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, मोबाइल फोन व नकदी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में कनहरा निवासी पप्पू उर्फ बिन्दू यादव, ओबरा भलुआ टोला मलिन बस्ती निवासी अर्जुन डोम, सेक्टर-10 लंका कॉलोनी निवासी करन डोम शामिल हैं। शनिवार की रात बिल्ली मारकुण्डी खनन क्षेत्र में घेरेबंदी के दौरान करन डोम ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार ने बताया कि 30 दिसंबर को साथ काम करने वाली किशोरी (17) को झांसा देकर राजगीर मिस्त्री पप्पू उर्फ बिंदु यादव पहाड़ी पर ले गया और वहां अपने दो अन्य साथियों के साथ जबरन दुष्कर्म किया। पुलिस ने की कार्रवाई दो जनवरी की रात पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया था, जिन्होंने लगातार दबिश देकर आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की।

स्टेशन के दोनों प्रतीक्षालय बंद

बस्ती। बस्ती रेलवे की सूरत इन दिनों बिगड़ी है। क्योंकि जगह-जगह सुंदरीकरण का काम चल रहा है। इस सुंदरीकरण के चलते प्लेटफॉर्म पर लोग खड़े नजर आ रहे थे। यहां पर बने यात्री प्रतीक्षालय शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे बंद थे। सिर्फ एक कमरा खुला था, उसमें एक ही यात्री बैठा था। एसी प्रतीक्षालय भी बंद रहा। इससे यात्रियों को इस ठंड में खड़ा रहना पड़ा। सुंदरीकरण के चलते स्टेशन पर तोड़फोड़ का काम चल रहा है। इसके चलते भी यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशन के बाहर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े किए गए थे। स्टेशन के अंदर पहुंचते ही आपको सुंदरीकरण की झलक देखने को मिलेगी।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के मथौली गांव में शुक्रवार की देर रात विवाहिता कंचन (24) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। चचेरे भाई सिकंदर ने बहन की हत्या का संदेह जताते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शनिवार की सुबह शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मथौली गांव की रहने वाली विद्या देवी ने बताया कि बेटे अरविंद की शादी 12 मई 2025 को संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के बारीडीहा निवासी हरीलाल की बेटी कंचन के साथ हुई थी। कुछ दिनों से बहू के सीने में दर्द हो रहा था। इसका इलाज भी चल रहा था। शुक्रवार की रात भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई। रात करीब एक बजे बेटे अरविंद ने बताया कि पत्नी कंचन की तबीयत खराब है। उसे गर्मी लग रही है और सीने में दर्द है। आनन-फानन मुंडेरवा सीएससी ले गए। हालत गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया की आरोप पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट के आदेश पर चार पर प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। रुधौली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मारपीट व तोड़फोड़ के मामले में शुक्रवार को चार आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की है। इनके नाम शशांक सिंह, आरएम सिंह, वेद प्रकाश सिंह और अंजुल सिंह निवासी मुड़ियार थाना रुधौली है। थाना क्षेत्र के मुडियार निवासी सुजीत सिंह ने तहरीर में आरोप लगाया है कि 22 नवंबर 2025 की रात करीब आठ बजे गांव के पवन सिंह उर्फ पवनू के घर पर खाने-पीने का कार्यक्रम था। वे भी गए थे। आरोप है कि विपक्षी उन्हें अपशब्द कहने लगे। मना करने पर मारापीटा। वे अपने घर में घुस गए तो अंदर घुसकर मारापीटा और कुर्सी तोड़ दी। बीच-बचाव में आए परिजनों को भी अपशब्द कहा। उनकी दीदी का मोबाइल छीनकर तोड़ दिया।

पूर्णमासी मेले में जुटी लोगों की भीड़

छावनी। क्षेत्र के सैनिक ग्राम पचवस में पौष मास की पूर्णमासी को लगने वाले मेले में शनिवार को भीड़ रही। सुबह ग्राम प्रधान ने मेला कमेटी के सदस्यों के साथ पूजा-अर्चना कर मेले का शुभारंभ किया। मेले में बच्चों ने झूले का आनंद लिया और लोगों ने अपनी जरूरत के सामान की खरीदारी की। मेले में बना सेल्फी प्वाइंट महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। प्राचीन काल से ही पचवस गांव में पौष मास की पूर्णमासी को मेला लगता है। रिटायर्ड कर्नल अभय सिंह बताते हैं कि यह मेला कितना पुराना है, किसी को जानकारी नहीं है । किंवदंती है कि पांच व्यक्ति तालाब में स्नान करने गए थे। इसके बाद वह अश्व बनकर निकले थे जिसकी वजह से गांव का नाम पंच अश्व पड़ा था। बाद में अपभ्रंश होकर पचवस हो गया।

मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी मकर संक्रान्ति (खिचड़ी) पर्व के अवसर पर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मन्दिर में लगने वाले खिचड़ी मेला के दौरान श्रद्धालु यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने के लिये तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विभिन्न जनपदों के अतिरिक्त पड़ोसी देश नेपाल से भारी संख्या में श्रद्धालु यात्रियों का गोरखपुर आगमन होता है। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु 05016/05015 गोरखपुर-नौतनवा-गोरखपुर अनारक्षित विशेष गाड़ियों का संचलन 10 फेरों के लिये किया जायेगा साथ ही 18 एक्सप्रेस गाड़ियों का अस्थाई ठहराव नकहा जंगल स्टेशन पर प्रदान किया गया है। मेला अवधि में गोरखपुर जं. स्टेशन पर स्टेशन के बाहरी परिसर में यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु बैरिकेडिंग की जायेगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये डॉग स्क्वाड द्वारा स्टेशन परिसर में समय-समय पर चेकिंग की जायेगी तथा ड्रोन कैमरा से स्टेशन परिसर की निगरानी सुनिश्चित की जायेगी। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु नकहा जंगल स्टेशन पर एक होल्डिंग एरिया बनाया गया है साथ ही पर्याप्त संख्या में मोबाइल प्रसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल के जवानों तथा वाणिज्य विभाग के रेल कर्मियों को गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशन पर तैनात किया जायेगा ताकि मेला में आने वाले रेल यात्रियों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो। स्टेशनों पर साफ-सफाई के व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। स्टेशन पर 24 घंटे सहायता बूथ संचालित होगा। स्टेशन परिसर में अवांछनीय तत्वों पर सी.सी.टी.वी. कैमरों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। जनसूचना प्रणाली के माध्यम से निरन्तर यात्रियों को बिना टिकट यात्रा न करने, टेज्न की छत एवं पायदान पर यात्रा न करने, ज्वलनशील/विस्फोटक/हानिकारक सामग्री लेकर न चलने, स्टेशन परिसर में गन्दगी न करने, अनाधिकृत व्यक्तियों से खानपान सामग्री क्रय न करने तथा दलालों के माध्यम से टिकट की खरीद न करने की अपील की जा रही है। स्टेशनों पर फर्स्ट एड बॉक्स की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है ताकि आवश्यकता पर यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही प्राथमिक उपचार मिल सके। गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशनों पर यात्री सहायता बूथ लगाये जायेंगे, जिन पर वाणिज्य कर्मी तैनात रहेंगे। नकहा जंगल स्टेशन पर अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गये हैं। सुरक्षा एवं संरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये बैगेज स्कैनर एवं सी.सी.टी.वी. पर कार्यरत कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिये गये हैं। मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें।

महाठग सोनी का कनेक्शन क्रिप्टो करेंसी घोटाले के आरोपी से जुड़ा

कानपुर। कानपुर पुलिस की जांच में रविंद्रनाथ सोनी और क्रिप्टो घोटालेबाज अमित लखनपाल के

बीच बातचीत के सबूत मिले हैं। सिंडिकेट ने 12 कंपनियों के जरिए दुबई और जापान समेत कई देशों में ठगी की, जिसकी जांच अब सीबीआई और ईडी के हवाले है। कई देशों के 1500 से अधिक लोगों से ठगी करने के आरोपी रविंद्रनाथ सोनी का कनेक्शन क्रिप्टो करेंसी घोटाले के आरोपी अमित लखनपाल से जुड़ रहा है। उसकी कॉल डिटेल में अमित लखनपाल का मोबाइल नंबर मिला है। कमिश्नरी पुलिस की एसआईटी कनेक्शन को और गहराई से जांचने में जुट गई है। ईडी के बाद सीबीआई को भी ब्लूचिप व अन्य कंपनियों के नाम से हुई ठगी की पूरी रिपोर्ट दे दी गई है। कोतवाली पुलिस ने 42.29 लाख रुपये की ठगी में दिल्ली के मालवीयनगर के रविंद्रनाथ सोनी को देहरादून से गिरफ्तार किया था। उसकी छह दिन की रिमांड ली गई जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आरोपियों ने ब्लूचिप समेत 12 अन्य कंपनियां खोलकर भारत, दुबई, मलेशिया, नेपाल, जापान समेत कई देशों को निवेश के नाम पर ठगा था। रविंद्रनाथ सोनी की गिरफ्तारी के बाद कमिश्नरी पुलिस के पास शिकायतों की लाइन लग गई। अपंजीकृत डिजिटल मुद्रा बनाकर निवेशकों से ठगी करने का आरोप ईमेल और व्हाट्सएप से कई शिकायतें आईं। अब तक कोतवाली पुलिस छह जीरो समेत 24 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। रविंद्रनाथ सोनी के तार कई अभिनेताओं और खिलाड़ियों से भी जुड़े थे। उसने कंपनी के प्रमोशन के लिए कई अभिनेताओं को बुलाया था। एसआईटी सूत्रों के मुताबिक रविंद्रनाथ सोनी की कॉल डिटेल की जानकारी करने पर उसकी बातचीत अमित लखनपाल से भी हुई थी। ईडी के अधिकारियों से भी चल रही बातचीत अमित पर अपंजीकृत डिजिटल मुद्रा बनाकर निवेशकों से ठगी करने का आरोप है। उसके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई इंटरपोल की मदद से सिल्वर नोटिस जारी करा चुका है। एडीसीपी पूर्वी अंजलि विश्वकर्मा ने बताया कि रविंद्रनाथ सोनी की कॉल डिटेल में अमित लखनपाल का नंबर भी मिला है। दोनों के बीच कई बार बातचीत हुई हैं। रविंद्रनाथ सोनी भी डिजिटल करेंसी की स्कीम लेकर आया था। दोनों के बीच कनेक्शन खंगाला जा रहा है। ईडी के अधिकारियों से भी बातचीत चल रही है।

सिक्योरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला दबंगों ने सिर फोड़ा नाक पर गंभीर वार पीड़ित ने पुलिस से लगाई गुहार

कानपुर। पनकी के रतनपुर में दबंगों ने एक सिक्योरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस कांशीराम

कॉलोनी के दबंगों की तलाश में जुटी है। कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के रतनपुर चौकी अंतर्गत दबंगई का एक मामला सामने आया है। यहां कांशीराम कॉलोनी के रहने वाले दबंगों ने एक सिक्योरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित गार्ड के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद इलाके में तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित सिक्योरिटी गार्ड को कांशीराम कॉलोनी के दबंगों ने घेर लिया। इसके बाद दबंगों ने गार्ड के सिर पर प्रहार किया, जिससे उसका सिर फट गया। इसके अलावा उसकी नाक पर भी गंभीर चोट आई है। लहूलुहान हालत में पीड़ित गार्ड ने थाने पहुंचकर दबंगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रतनपुर चौकी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

मंडलीय सरस मेले में मिनी उत्तर प्रदेश के दर्शन इटावा का अचार और जयपुरी पायल जीत रही हैं दिल

कानपुर। मोतीझील में आयोजित सरस मेले में कानपुर मंडल के स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की धूम है। इटावा के अचार और जयपुरी पायल के साथ-साथ सीएसजेएमयू के छात्रों के लाइव स्केच काउंटर आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कानपुर के मोतीझील में आयोजित मंडलीय सरस मेला इन दिनों उत्सव का रूप ले चुका है। इस मेले में औरैया, कन्नौज, इटावा, कानपुर देहात और कानपुर नगर के स्वयं सहायता समूहों ने अपने स्टॉल लगाए हैं, जो आत्मनिर्भर भारत की एक सशक्त तस्वीर पेश कर रहे हैं। मेले में चटपटे और पारंपरिक स्वाद के शौकीनों के लिए इटावा के अचार के स्टॉल पर भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं, महिलाओं के बीच जयपुरी डिजाइन की पायल और हस्तनिर्मित आभूषणों का जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। खुशबुओं के शहर कन्नौज के प्राकृतिक इत्र और गुलाब जल की महक पूरे मेला परिसर में फैली हुई है। सीएसजेएमयू का लाइव स्केच काउंटर मेले में इस बार छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स के छात्रों द्वारा लगाया गया स्केच काउंटर युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। यहां छात्र मेले में आने वाले दर्शकों के चेहरे देखकर चंद मिनटों में उनका लाइव स्केच तैयार कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप

बस्ती। हरैर्या थाना क्षेत्र की एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित युवती ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि परसरामपुर थानाक्षेत्र का रहने वाला आरोपी सनाउल्लाह से उनके संपर्क में आया और दोनों के बीच बातचीत होने लगी। शादी का झांसा देकर आरोपी ने यौन शोषण किया। शादी करने की बात कहने पर टाल-मटोल करने लगा। जब इसकी जानकारी आरोपी के घरवालों को दी तो वह भड़क गए। युवती को अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इसके बाद युवती ने इसकी शिकायत हरैर्या थाने पर की। हरैर्या पुलिस ने आरोपी सनाउल्लाह के अलावा उसके माता-पिता समेत पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरी के पशुओं को पार लगा रहे पश्चिम के तस्कर लोकल एजेंट दिखा रहे राह

बस्ती। पूर्वांचल में खरीदफरोख्त कर पशुओं की तस्करी नहीं हो रही है, बल्कि पश्चिम के तस्करों ने ऐसा नेटवर्क खड़ा कर लिया है कि उन्हें चोरी के पशु एकत्र करने से लेकर पार लगाने तक में कठिनाई नहीं हो रही है। क्षेत्रवार सक्रिय लोकल एजेंट इन तस्करों की पूरी मदद कर रहे हैं। पूस, माघ की सर्द भरी रात में घने कोहरे के बीच किसानों के यहां से पहले पशु चुरा रहे हैं। इसके एवज में तस्करों से उन्हें अच्छा खासा रकम भी मिल रहा है। बस्ती जनपद सीमा 70 किमी के दायरे में हैं। इस जिले की सीमा से गोंडा, आंबेडकर, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर समेत चार जनपद जुड़े हैं। इन जनपदों का सुदूर ग्रामीण अंचल की सड़क से कई जगह जुड़ाव है। संपर्क मार्गों की जानकारी पश्चिम के तस्करों को नहीं रहती है। इसीलिए क्षेत्रवार इनके लोकल एजेंट सक्रिय हैं। पूरे नेटवर्क में दो तीन श्रेणी के एजेंट शामिल हैं। क्षेत्रवार लोकल व्यक्ति ही मुख्य कैरियर की भूमिका में रहता है। यह पशुओं को पिकअप वाहन में लादकर संपर्क मार्गों के जरिये जनपद सीमा पार कराते हैं। वहीं इनके नीचे के एजेंट दिन भर रेकी करके रात में पशुओं की चोरी करते हैं। उसे कैरियर के अड्डे तक पहुंचाते हैं।

पुलिस हुई सक्रिय थानों से मांगी पशु तस्करों की रिपोर्ट

बस्ती। पशु तस्करी के मामले में पुलिस सक्रिय हो गई है। एएसपी श्यामकांत ने शनिवार को सभी थानों को पत्र लिखकर पशु तस्करों की रिपोर्ट मांगी है। इसमें पशु चोरी की घटनाओं से पदार्फाश तक विवरण मांगा गया है। थाना कार्यालयों में पुलिस कर्मी दिन भर पशु तस्करों से संबंधित डाटा संकलित करने में जुटे रहे। कुछ जगहों पशु चोरी का केस दर्ज नहीं होने से रिपोर्ट तैयार करने कठिनाई भी सामने आ रही है। एएसपी ने बताया कि जिले के सभी थानों से पशु तस्करों की रिपोर्ट मंगाकर पुलिस उस पर रणनीति के तहत कार्य करेगी। बहुत जल्द पशु तस्करों के गिरोह का पदार्फाश किया जाएगा। प्रत्येक थाने के 25 प्रतिशत स्टॉफ को रात्रि गश्त में लगाया जाएगा।

जिला जज ने घोषित किए पांच दिन के लोकल अवकाश

बस्ती। जिला जज शमशुल हक ने पांच दिन के लोकल अवकाश घोषित कर दिए गए हैं। यह घोषणा जिला मजिस्ट्रेट बस्ती के कार्यालय से वर्ष 2026 में उपयोग के लिए प्राप्त अवकाश सूची के अनुसार की गई है। 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद, 28 अगस्त को रक्षाबंधन, 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 5 मार्च को होली तथा 11 अगस्त को शिवरात्रि के उपलक्ष्य में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

दो स्थानों से बाइक चोरी

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरी की दो घटनाओं में ऑनलाइन शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज किया है। आवास विकास कॉलोनी निवासी शरद कुमार पांडेय ने तहरीर में बताया है कि 27 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7:30 बजे उनकी बाइक को मड़वानगर पुलिस चौकी से करीब सौ मीटर पहले खीरीघाट भटोलवा से चोरी कर ली गई। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका। वहीं नगर थानाक्षेत्र के नेवरी गाड़ा कुसरौत निवासी संजय कुमार ने तहरीर देकर शिकायत की है कि बस्ती शहर में वी-मार्ट के पास से 27 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7:15 बजे उनकी बाइक को किसी ने चुरा लिया।

श्रमिकों और किसानों का धरना जारी

वाल्टरगंज। गोविंद नगर शुगर मिल के श्रमिकों और किसानों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। अपनी मांगों और बकाया भुगतान के लिए शुरू हुआ धरना लगातार 137वें दिन जारी है, मगर प्रशासन और मिल प्रबंधन की चुप्पी बरकरार है। भीषण ठंड और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद प्रदर्शनकारी शुगर मिल गेट पर डटे हुए हैं। नित्यराम चौधरी, वीरेंद्र चौधरी, महेश पांडेय, अंगद, राम लखन शुक्ल, प्रदीप का कहना है कि चार माह से अधिक समय से जारी इस धरना के बाद भी अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

पुलिसकर्मियों की पदोन्नति परीक्षा पांच को

बस्ती। पुलिसकर्मियों की पदोन्नति परीक्षा पांच जनवरी को होगी। इसमें पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (लिपिक) एवं सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (लेखा) पदों की सीधी भर्ती-2023 के अभिलेख सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण को पारदर्शी तरीके से कराने के लिए शनिवार को पुलिस लाइंस में बैठक हुई। एसपी अभिनंदन ने एएसपी, सीओ लाइंस व संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर परीक्षा की रणनीति तय की। भर्ती ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा का निष्पक्ष कराने के निर्देश दिए।

जलनिकासी की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

बस्ती। नगर पालिका के वार्ड नंबर दो दफाली टोला में जलनिकासी समस्या से निजात के लिए यहां के लोगों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में सोमनाथ सोनकर ने बताया है कि डूडा के जरिये सड़क बनाई जा रही है, लेकिन नाली की व्यवस्था नहीं की जा रही है। इससे मोहल्ले का पानी निकल नहीं पाता है। जलभराव से सांसत होती है। सड़क की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। बताया कि अवैध कब्जा के चलते नाली अवरोध है। जांच कर कार्रवाई की जाए।

बकाएदारों के घर कर्मी पहुंचा रहे नोटिस

बस्ती। नगर पालिका में गृह व जल कर के बड़े बकाएदारों के घर कर्मी नोटिस पहुंचाकर जल्द बकाया जमा करने के लिए अपील कर रहे हैं। केएनए डॉ. उदयभान का कहना है कि पांच हजार से अधिक उपभोक्ता पर बकाया है। जिनके घर बिल सहित जल्द बकाया जमा करने संबंधी नोटिस भी भेजा जा रहा है। बताया कि इससे नपा की आय बढ़ेगी।

क्या मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे हो गए बंद

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी नहीं चुना गया है। लेकिन इरफान पठान उनके समर्थन में उतरे हैं। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे वक्त से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि शमी के लिए भारतीय टीम में वापसी के दरवाजे अभी भी खुले हैं। शमी को 11 जनवरी से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए नजरअंदाज किया गया है जिसके बाद से ही उनके करियर को लेकर अटकलें एक बार फिर शुरू हो गई हैं। आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेले थे शमी शमी आखिरी बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के लिए खेले थे। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। हालांकि, कई महीनों तक टीम से बाहर रहने के बावजूद इरफान को लगता है कि शमी में अभी भी राष्ट्रीय टीम में वापसी करने की क्षमता है।

जिस देश में खिलाड़ी आगे होते हैं, वह देश सर्वोच्च शिखर की तरफ अग्रसर होता है- ब्रजेश

लखनऊ(संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 72वीं सीनियर नेशनल वालीबॉल चौंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार किया है। जिस देश में खिलाड़ी आगे होते हैं, वह देश सर्वोच्च शिखर की तरफ अग्रसर होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि मैदान में खेल भावना से खेलना चाहिए, क्योंकि मैदान में उतरने वाला हर खिलाड़ी

जीतता है और मैदान के बाहर गले मिलकर नई चुनौतियों के लिए फिर तैयार हो जाता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेलों के विकास के लिए पीएम मोदी ने नई गंगा बहाई। सभी खेलों का कई गुना बजट बढ़ाया गया। पहले खेल में सिर्फ औपचारिकता होती थी। उप मुख्यमंत्री ने केंद्र-प्रदेश में विकास की योजनाओं का भी जिक्र किया और कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा, बोले-कांग्रेस सरकार में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी भ्रष्टाचार का दाग लगा। अब पीएम मोदी खिलाड़ियों में जज्बा भरते हैं। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स या किसी बड़ी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने और लौटकर आने वाले खिलाड़ियों से पीएम मोदी स्वयं बात करते हैं और दुनिया को संदेश देते हैं कि यह खिलाड़ी हमारे परिवार के सदस्य हैं। इनके सम्मान में कोई कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। प्रदेश सरकार में भी खेल के बजट को कई गुना बढ़ाई गई। मेरठ में मेजर ध्यान चंद के नाम पर विश्वविद्यालय बनाया गया। प्रदेश सरकार द्वारा उच्च पदों पर खिलाड़ियों को सीधी तैनाती भी दी जा रही है। विजयी खिलाड़ियों के चयन से ही देश की टीम बनेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत माता का परचम फहराएगी।

भाजपा की गलत आर्थिक नीतियों की वजह से फल उत्पादकों की आजीविका खतरे में:अखिलेश

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गलत आर्थिक नीतियों की वजह से भारतीय फल उत्पादकों की आजीविका खतरे में पड़ गयी है। अखिलेश

यादव ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में किसानों की कड़ी मेहनत का फल विदेशी कंपनियों की जेब में जा रहा है। उन्होंने भाजपा को व्यापारियों और बिचौलियों की पार्टी बताते हुए कहा कि भाजपा असल में उत्पादन और औद्योगिक विकास के बजाय कमीशन को प्राथमिकता देती है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की टिप्पणियां इस चिंता पर केंद्रित है कि अंतरराष्ट्रीय कारोबारी घरेलू फल उत्पादन और व्यापार क्षेत्रों पर तेजी से कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने हाल के रुझानों और विज्ञापनों को भारतीय बागवानी उद्योग के लिए विनाश का पत्र बताया।

दिन-रात फरार्टा भरती हैं ट्रेनर दीदी और 60 सहेलियां

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण सिर्फ नारा नहीं हकीकत बन चुका है। गोरखपुर की मंशा देवी ने न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाया बल्कि 60 से अधिक महिलाओं को भी रोजगार और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा है। स्वयं सहायता समूह से जुड़कर एक वर्ष में वे लखपति दीदी बन गई हैं। मंशादेवी 26 जनवरी को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी। कभी सीमित आय में जीवन चलाने वाली मंशा देवी आज ई-रिक्शा ट्रेनर के रूप में दिन-रात बेखौफ फरार्टा भर रही हैं और दूसरी महिलाओं को भी आत्मविश्वास की चाबी थमा रही हैं।स्वयं सहायता समूह से जुड़कर समूह सखी के रूप में काम करने वाली मंशा देवी के पास पहले कोई विशेष आय का जरिया नहीं था। सेफ मोबिलिटी कार्यक्रम से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी की दिशा बदल गई। आज उनकी मासिक आय 20 से 30 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। जिससे साल भर में करीब ढाई से तीन लाख रुपए तक की आय होती है। सेफ मोबिलिटी कार्यक्रम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन के निर्देशन में डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स एवं आजीविका मिशन के बीच हुए एक अनुबंध के अन्तर्गत चल रहा है। मंशादेवी ने ब्रह्मपुर ब्लॉक सहित गोरखपुर जिले की 60 से अधिक महिलाओं को ड्राइविंग, लाइसेंस और उद्यमिता का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया है। सरकारी योजनाओं से मिले मजबूत वित्तीय सहयोग और सुरक्षित परिवहन के माहौल ने महिलाओं के लिए नई राह खोली है एक समय आय का कोई साधन नहीं था।

पर्यटन विभाग की विशेष सचिव के खिलाफ कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग में तैनात सचिवालय अधिकारियों और कर्मचारियों में अपनी ही अधिकारी को लेकर असंतोष है। विशेष सचिव ईशा प्रिया पर गंभीर मानसिक उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाते हुए कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है।कर्मचारियों ने प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ऐसी परिस्थितियों में उनके लिए विभाग में कार्य करना शारीरिक और नैतिक रूप से अब संभव नहीं रह गया है। शिकायती पत्र में कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि विशेष सचिव द्वारा कई महीनों से विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। पत्र के अनुसार अब तक राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के हित में कर्मचारी इस व्यवहार को चुपचाप सहन कर रहे थे, लेकिन अब उत्पीड़न की सीमा सहनशक्ति से बाहर हो गई है।कर्मचारियों ने विशेष सचिव की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि उन्हें लगभग प्रतिदिन पर्यटन निदेशालय बुलाया जाता है। आरोप है कि वहां निदेशालय के अन्य कर्मचारियों के सामने ही सचिवालय के अधिकारियों के साथ अत्यंत खराब और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है। पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि विशेष सचिव कई अवसरों पर अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने की धमकी देकर डराती धमकाती हैं।सचिवालय संघ के समर्थन के साथ लिखे गए इस पत्र में मांग की गई है कि पर्यटन विभाग के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को तत्काल उनके मूल विभाग यानी सचिवालय प्रशासन विभाग को समर्पित कर दिया जाए। कर्मचारियों का कहना है कि वे इन अपमानजनक परिस्थितियों में यहां कार्य करने के बिल्कुल इच्छुक नहीं हैं। पत्र की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन और अध्यक्ष और अध्यक्ष उत्तर प्रदेश सचिवालय संघ को भी आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजी गई है। इस सामूहिक प्रत्यावेदन पर विभाग के तमाम अधिकारियों और कर्मचारियों ने 3 जनवरी को हस्ताक्षर कर एकजुटता दिखाई है। लखनऊ के प्रशासनिक गलियारों में इस पत्र के सार्वजनिक होने के बाद से हड़कंप मचा हुआ है।

कनिष्ठ शिक्षक को प्रधानाध्यापक का प्रभार देने पर फंसेंगे बीएसए

लखनऊ(संवाददाता)। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कनिष्ठ शिक्षकों को प्रधानाध्यापक पद का प्रभार दिया जाना समस्या बन गया है। प्रधानाध्यापक पद का कार्य करने के कारण कुछ कनिष्ठ शिक्षक प्रधानाध्यापक पद का वेतन दिए जाने की मांग को लेकर कोर्ट पहुंच गए। अपर मुख्य सचिव एसीएसस ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में वरिष्ठतम शिक्षक को प्रधानाध्यापक का प्रभार दिया जाए। अब उनके निर्देश पर बेसिक शिक्षा परिषद सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक एवं बीएसए से चार जनवरी को दोपहर 12 बजे तक शिक्षकों की वरिष्ठता सूची मांगी है। जिन जिलों से वरिष्ठता सूची नहीं मिलेगी, उनकी पांच जनवरी को एसीएस अलग से समीक्षा करेंगे।कुछ जिले के कुछ विद्यालयों में वरिष्ठ शिक्षकों को दरकिनार कर कनिष्ठ शिक्षकों को प्रधानाध्यापक पद का प्रभार दिया गया। इस संबंध में कुछ शिकायतें जिले से लेकर परिषद कार्यालय तक की गई हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ। ऐसे में कनिष्ठ शिक्षकों ने प्रधानाध्यापक पद पर कार्य करने के कारण उसी अनुरूप वेतन देने की मांग रख दी।ष्इसके अलावा प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में कार्य कर रहे वरिष्ठ शिक्षकों ने भी काम के अनुरूप वेतन की मांग की। इस पर अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर पूछा गया कि विद्यालयों में वरिष्ठतम शिक्षक कौन हैं और प्रधानाध्यापक न होने पर उन्हें प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाया गया है या नहीं। नहीं तो वरिष्ठतम शिक्षक को अविलंब प्रभार दिया जाए। इससे बीएसए एवं खंड शिक्षाधिकारियों की कनिष्ठ को प्रभारी बनाने की मनमानी पर अंकुश लग गया।ष्समीक्षा एसीएस अलग से करेंगे तो पता चलेगा कि किन जिलों में आदेश के अनुपालन में लापरवाही बरती गई है।

जनहित के लिए किसी भी स्तर तक जाते थे रामचंद्र बक्श सिंह-भाकपा

लखनऊ(संवाददाता)। रामचन्द्र बक्श सिंह कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय नेता थे।आमजन के हितों खातिर किसी भी स्तर पर जा सकते थे। विधायकों में हीरा थे,वैसा कोई विधायक आज तक नहीं हुआ है।यह विचार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र राय ने गांधी भवन बाराबंकी में आयोजित स्मृति सभा में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बाबू रामचंद्र बक्श सिंह अच्छे वक्ता अधिवक्ता, अनुवादक भी थे। पार्टी के राज्य परिषद सदस्य रणधीरसिंहष्सुमनष् ने कहा कि 1974 में समाजवादी मंत्री को चुनाव हराकर विधायक हुए थे। समाजवादी पार्टी के गढ़ में भी रामचंद्र बाबू का कोई मुकाबला नही कर पाता था। अत्यंत मिलनसार थे,कोई उनके पास से निराश नहीं लौटता था।उनका सम्मान था। जिला सचिव बृजमोहन वर्मा ने कहा कि रामचन्द्र बक्श सिंह प्रदेश के किसानों,मजदूरों की समस्याओं को हल कराने के आंदोलनकारी थे।राज्य परिषद सदस्य प्रवीण कुमार वर्मा ने कहा कि बाबूजी बाराबंकी के जननेता थे। शिवदर्शन वर्मा ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी के दिग्गज नेता रामचन्द्रबक्श सिंह जन समस्याओं को हल करने में आगे थे। बिजली कर्मचारियों के नेता केएस रावत ने कहा कि रामचन्द्र बक्श सिंह जैसे विधायकों की आवश्यकता है। गांधी भवन के संस्थापक पंडित राजनाथ शर्मा ने भी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को आसिफ,आशाराम वर्मा बाला कृष्ण वर्मा एडवोकेट विनय कुमार सिंह ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामप्रताप मिश्रा व समाजवादी पार्टी के उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह बब्लू ने भी संबोधित किया।

स्ट्रीट डॉग्स के समसर्थन में प्रदर्शन,नारा लगाया-नो डॉग्स

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी में रविवार को पशु प्रेमियों ने इको गार्डन में प्रदर्शन किया। मून चेन बनाकर डॉग्स के प्रति एकता का संदेश दिया। आगामी 7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में स्ट्रीट डॉग्स को लेकर होने वाली सुनवाई में अपनी मांगें मंगवाने के लिए लोग इकट्ठा हुए। विभिन्न संस्थाओं से जुड़े सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र और आम नागरिक शामिल हुए। इस दौरान स्ट्रीट डॉग के समर्थन में लिखे हुए स्लोगन और नारे वाली तख्ती लेकर नारेबाजी की। हिस्ट्री डॉग्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले का विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट ऑर्डर रद्द करो, नो डॉग्स, नो वोट, आवारा नहीं हमारा है जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा सुप्रीम कोर्ट का स्ट्रीट डॉग को लेकर दिया गया आदेश बेहद अफसोसजनक है। हम लोग इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से बेजुबानों की आवाज बने हैं जो अपना दर्द कह नहीं सकते। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद विभिन्न शहरों में नगर निकाय की ओर से स्ट्रीट डॉग्स के साथ क्रूरता की जा रही है। अगर कहीं किसी घटना में एक स्ट्रीट डॉग बाइट कर लेता है तो वह सबको दिखता है। मगर हर दिन जो डॉग्स के साथ क्रूरता होती है वह नजर क्यों नहीं आता? प्रदर्शन कर रहीं राखी किशोर ने कहा प्रदर्शन करना उद्देश्य नहीं है बल्कि हम समस्या का समाधान चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय से गली के कुत्तों को स्थायी आश्रय देने संबंधी आदेश को वापस लेने की मांग है। एबीसी नियम 2001, के अनुसार पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए धन और दक्षता बढ़ाई जाए। रेबीज टीकाकरण को 100: सुरक्षित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए। स्ट्रीट डॉग्स के साथ सकारात्मक रवैया अपनाना चाहिए। हम लोगों ने पिछला आदेश आने के बाद पत्र लिखे पूरे भारत से 10 लाख से अधिक पत्र सुप्रीम कोर्ट को लिखे जा चुके हैं। प्रदर्शन में शामिल डॉक्टर विशाखा ने कहा ये फैसला तानाशाही वाला है। जो चीज आपको नहीं चाहिए उसके खिलाफ फैसला दे दो यह मानवता और न्याय बिल्कुल भी नहीं है। यह फैसला पूरी तरीके से गलत है। इन बेजुबान जानवरों के साथ गलत हो रहा है इसलिए हम एक होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉग बाइट्स की वजह से आप इस तरीके का फैसला नहीं दे सकते। यह वैसे ही है कि एक्सीडेंट की वजह से सड़क पर गाड़ियां चलना बंद करवा दी जाएं। कुत्तों को हटाने का फैसला न तो इन डॉग्स के हित में है और न ही हम इंसानों के समर्थन में। कुदरत ने इंसानों और जानवरों का एक संतुलन बनाया है। अगर इन्हें हटा दिया जाएगा तो यह बिगड़ जाएगा। कैरलाइन ने कहा डॉग्स को हटाने का आदेश देना बिल्कुल भी प्रैक्टिकल नहीं है । बेजुबान जानवरों के साथ बर्बरता शर्मनाक। बचपन से ही हम जानवरों की देखभाल करते हैं और उनके लिए काम करते। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि सभी डॉग्स को हटा दिया जाए।

कड़ाके की ठंड: 14 जनवरी तक प्राइमरी स्कूलों में छुट्टी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में भीषण शीतलहर और जानलेवा कोहरे के चलते जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी स्कूलों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के सभी बोर्डों के कक्षा 12वीं तक के स्कूल अब 5 जनवरी तक बंद रहेंगे।बेसिक शिक्षा विभाग ने छोटे बच्चों के लिए विंटर वेकेशन को और अधिक विस्तार दिया है। विभाग के जारी आधिकारिक कैलेंडर के मुताबिक कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूल 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। सरकार के फैसले से लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है, जो कड़ाके की ठंड में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे।ज्ञातव्य है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में 5 जनवरी तक अत्यधिक घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। रात और सुबह के समय विजिबिलिटी जीरो के करीब पहुंच रही है, जिससे सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बर्फीली हवाओं के चलते राज्य के कई जिलों में पारा सामान्य से काफी नीचे गिर गया है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है।मुख्यमंत्री ने केवल स्कूलों की छुट्टी तक ही सीमित न रहकर, बेघर और जरूरतमंद लोगों की सुरक्षा के लिए भी कड़े कदम उठाए हैं। अधिकारियों को फील्ड में उतरकर रैन बसेरों का निरीक्षण करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे न सोए।

यूपी के पहले राज्य विवि में खुला ब्रेल पुस्तकालय

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समावेशी शिक्षा और दिव्यांग सशक्तिकरण की नीति को धरातल पर उतारते हुए डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में प्रदेश के पहले राज्य विश्वविद्यालय स्तरीय ब्रेल पुस्तकालय अनुभाग का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि कुलपति आचार्य संजय सिंह ने स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय के प्रथम तल पर स्थापित इस अत्याधुनिक ब्रेल पुस्तकालय का उद्घाटन किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के ब्रेल प्रेस परिसर में ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। फीता काटकर ब्रेल पुस्तकालय अनुभाग का विधिवत उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर उन्होंने दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि उन्हें आधुनिक कंप्यूटर प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा का सशक्त माध्यम है, जो उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ती है। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि ब्रेल पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के ब्रेल प्रेस से प्रकाशित यूजी एवं पीजी स्तर के 54 पाठ्यक्रमों की एनईपी आधारित 4000 से अधिक शैक्षणिक ब्रेल पुस्तकें उपलब्ध हैं। यह प्रदेश का पहला ऐसा राज्य विश्वविद्यालय है, जहां इतनी बड़ी संख्या में ब्रेल पुस्तकों का सुव्यवस्थित पुस्तकालय अनुभाग विकसित किया गया है।

ग्राहक बनकर आया,24 अंगूठियों के 2 बॉक्स लेकर भागा चोर

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी में ज्वेलरी की दुकान से एक चोर अंगूठियों के 2 बॉक्स लेकर भाग गया। इन बॉक्स में 24 अंगूठियां थीं। चोर ग्राहक बनकर आया था। उसने ज्वेलर से एक-एक करके 4 डिब्बे मंगवाए। इसके बाद भी बोला और कुछ दिखाइए। इस पर ज्वेलर सभी डिब्बे काउंटर पर छोड़कर दुकान के अंदर वाले कमरे में चला गया। इसी बीच चोर कुर्सी से उठा। उसने काउंटर पर रखे डिब्बों में से 2 को खोल-खोलकर चेक किया। दोनों में सोने की छोटी-बड़ी अंगूठियां थीं। इसके बाद वह दोनों बॉक्स हाथों में लेकर भाग निकला। कुछ ही देर बाद ज्वेलर और डिब्बे लेकर दुकान के अंदर से बाहर आया, तब उसे चोरी का पता चला। मामला जानकीपुरम इलाके का है। जानकीपुरम इलाके में 60 फिटा रोड पर खुशी ज्वेलर्स है। यहां आज (रविवार) सुबह करीब 10.20 बजे चोरी हुई। एक युवक बाइक से ग्राहक बनकर पहुंचा। ज्वेलर से अंगूठी दिखाने के लिए बोला। इसके बाद पसंद न आने की बात कही। जब और अंगूठियां लेने के लिए ज्वेलर दुकान के अंदर गया, तभी मौका पाकर चोर दो डिब्बे लेकर भाग गया। उन डिब्बों में करीब 24 अंगूठियां रखी थीं। मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे कैमरों की भी जांच कर रही है। इंस्पेक्टर जानकीपुरम विनोद तिवारी का कहना है कि सीसीटीवी के जरिए आरोपी की लोकेशन ट्रेस की जा रही है। जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

राजधानी में शीतलहर, गलन बढ़ी,अगले 3 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह कोहरे का असर कम रहा लेकिन गलन बढ़ी हुई है। उत्तर प्रदेश में भीषण ठंड का प्रकोप जारी है और लखनऊ में अगले 3 दिनों तक शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, शनिवार को लखनऊ का औसतन एक्यूआई 110 दर्ज किया गया। यह इस सीजन का 1 नवंबर के बाद सबसे कम दर्ज हुआ। लखनऊ में तड़के दृश्यता 500 मीटर रही। मौसम विभाग के अनुसार, आज अधिकतम तापमान 17 से 18 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। शनिवार को अधिकतम तापमान 16.9 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 3.2 डिग्री कम था। वहीं, न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.6 डिग्री ज्यादा रहा।

रिटायर्ड होमगार्ड ने सुसाइड किया,लाइसेंसी राइफल से खुद को मारी गोली

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर स्थित कनोसी गांव में एक बुजुर्ग ने खुद को गोली मार ली। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर कृष्णा नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान मदन गोपाल वर्मा (65) पुत्र स्व. बाबूलाल वर्मा रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मदन गोपाल वर्मा रिटायर्ड होमगार्ड थे। उन्होंने अपनी 12 बोर की लाइसेंसी राइफल से गोली मारी है। परिजनों ने बताया कि वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। इसी कारण मानसिक रूप से परेशान रहते थे। परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक पुत्रवधू है। घटना की जानकारी मिलने पर फॉरेंसिक टीम की फील्ड यूनिट को बुलाया गया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

श्रीअन्न किसानों ने सरकारी खरीद को दी प्राथमिकता

लखनऊ(संवाददाता)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में श्रीअन्न के किसानों ने बाजार की बजाय सरकारी खरीद को प्राथमिकता दी। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष श्री अन्न बाजरा, ज्वार व मक्का की सरकारी खरीद अधिकरही। इसके एवज में किसानों को अधिक भुगतान किया गया। योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों की बदौलत किसानों का झुकाव सरकारी खरीद पर अधिक रहा। इस वर्षबाजरा की खरीद 2.13 लाख, ज्वार की 43,562 व मक्का की 12,208 मीट्रिक टन रही। पहली अक्टूबर से शुरू हुई श्रीअन्न की खरीद पूरी हो गई। बाजरा की खरीद 33, मक्का 25 व ज्वार की खरीद 11 जनपदों में हुई। ज्वार का न्यूनतम समर्थन मूल्य मालदांडी 3749, ज्वार हाईब्रिड 3699 रुपये, बाजरा का 2775 व मक्का का 2400 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया था। बाजरा खरीद 33 जनपद में ही हुई।ज्वार 11 जनपदों में हुई खरीद।मक्का 25 जनपदों में हुई खरीद वही 25 जनपदों में मक्का खरीद हुई।

लखनऊ में समरस मैराथन 11 को,तैयारियों की हुई समीक्षा

लखनऊ(संवाददाता)। खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से अभ्युदय यूथ क्लब के तत्वावधान में समरस मैराथन का 11 जनवरी को आयोजन होगा। आयोजन को लेकर कुड़ियाघाट ग्रीन कॉरिडोर रोड पर प्रशासन और आयोजन समिति के साथ तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई। यह 5 किलोमीटर की दौड़ होगी, जिसमें देशभर से पुरुष एवं महिला धावक भाग ले सकेंगे। अब तक 500 से अधिक पंजीकरण पूरे हो चुके हैं, जिनमें युवक और युवतियां शामिल हैं। प्रतियोगिता में 15 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी धावक हिस्सा ले सकता है।मैराथन में खिलाड़ियों की रिपोर्टिंग सुबह 6 बजे तथा दौड़ सुबह 7बजे से प्रारंभ होगी। आयोजन स्थल कुड़ियाघाट ग्रीन कॉरिडोर रोड, घंटाघर, लखनऊ निर्धारित किया गया है। पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 10,000 रुपये द्वितीय पुरस्कार 5,000 रुपये तृतीय पुरस्कार 3,000 रुपये और 7 धावकों को 500-500 रुपये के सांत्वना पुरस्कार मिलेगा। महिला वर्ग में भी 10 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों के लिए खुली है। प्रतिभागी की आयु न्यूनतम 15 वर्ष होनी चाहिए।समरस मैराथन का उद्देश्य ह्रखेलेगा भारतद्दखिलेगा भारतह्व की भावना को मजबूत करना और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यह मैराथन स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित होकर युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन और आत्मविश्वास का संचार करेगी।

जरूरत के समय इमदाद न मिले तो बेमतलब-राकेश

लखनऊ(संवाददाता)। जरूरतमंदों को जरूरत के समय इमदाद न मिले तो बेमतलब होती है।यह कहना है समाजवादी पार्टी के सीनियर लीडर और प्रदेश के पूर्व कारागार मंत्री राकेश कुमार वर्मा का। उन्होंने कहा कड़ाके की ठंड पड़ रही है।दूर दराज गांवों में बसे गरीब तबके के लोगों के सामने इस समय पड़ रही कड़ाके की ठंड में न दिन में आराम है न रात में। सर्दी में बचाव खातिर सरकार से जितनी सहायता मिलनी चाहिए, नही मिल पाती है। ऐसे में सबको आगे आना चाहिए।बाराबंकी जनपद की विधानसभा रामनगर का काफी इलाका विकास से महरूम है। पूर्व मंत्री रामनगर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत थाल खुर्द के प्रधान सुनील यादव द्वारा आयोजित कम्बल वितरित कार्यक्रम में पहुंचे । उन्होंने ग्राम प्रधान के प्रयास की तारीफ करते हुए तमाम गरीब असहाय एवं जरूरतमंद जनों को कंबल वितरित किये। उन्होंने कहा,थाल के प्रधानजी से सीख लेने की जरुरत है। हमारी छोटी सी मदद किसी को सुकून दे सकती है। रात में अच्छी नींद दिला सकती है। कम्बल पाकर लोग खुश हो गये।

ईदगाह में निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन

लखनऊ(संवाददाता)। मानवता की बुनियाद समाज सेवा के जज्बे से हमवार होती है। खुदा पाक के बन्दों की सेवा करना एक बहुत अच्छा कार्य है जो हर इन्सान को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर समाज के लिए अंजाम देना चाहिए। यह कार्य न सिर्फ मानवता की तामीर व तरक्की का कारण बल्कि इस नेक कार्य से व्यक्ति के व्यक्तित्व में भी निखार पैदा होता है। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह लखनऊ व काजी शहर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया, मैक्स हास्पिटल और काइंड हस्पिटल के सौजन्य से दारूल उलूम फरंगी महल ईदगाह लखनऊ में आयोजित मांसिक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि जरूरत मन्दों और गरीबों की सहायता व सहयोग करना इस्लाम की शिक्षा व हिदायत पर अमल करना है। समाज सेवा जैसे नेक काम के नमूने हमको रसूले पाक सल्ल0 की सीरत और साहाबा रजि0 के हालात में बहुत मिलते हैं। मौलाना ने कहा कि इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत इस निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आरम्भ मौलाना अबू तैय्यब अहमद मियॉ फरंगी महली की सरपरस्ती में सन् 2000 में हुआ था। आज 194वॉ कैम्प था। यह हर महीने की पहली इतवार को लगता है। इस कैम्प से बिना किसी धार्मिक भेद भाव के हजारों लोग लाभ उठा चुके हैं।

संपादकीय

भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस साल 2 अप्रैल से भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल खरीदने के कारण उतना ही अतिरिक्त जुमार्ना भी लगाया गया, जिससे कुल टैरिफ बढ़ कर 50 प्रतिशत हो गया। भारतीय निर्यात पर इसके विपरीत प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए आवश्यक हो गया कि वह अन्य बाजारों में अवसर खोजे और इसी के परिणामस्वरूप कुछ देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) किए गए। इन्हीं में कनाडा भी एक है जिसके साथ एफ.टी.ए. के लिए बातचीत चल रही है। कनाडा सरकार ने भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) पर जनता की राय लेने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। मगर भारत विरोधी वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यू.एस.ओ.) और दूसरे खालिस्तानी संगठन एफ.टी.ए. के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं ताकि वह पटरी पर न चढ़ सके। हमारे संगठन फ्रैंड्स ऑफ कनाडा एंड इंडिया फैडरेशन ने एफ.टी.ए. के समर्थन में कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मंत्री मनिंदर सिद्धू को एक पत्र लिखा है, हम पूरे कनाडा में रेडियो और टी.वी. के जरिए लोगों को इसका समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, इससे डायस्पोरा (कनाडा में रहते भारतीय) को मदद मिलेगी। सबमिशन की आखिरी तारीख 27 जनवरी है। पत्र में हमने लिखा है-हमें यह जानकर खुशी हुई कि भारतीय व्यापार मंत्री श्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में भारतीय व्यापार मिशन नए साल में ओटावा का दौरा कर रहा है। भारत और कनाडा दो ऐसे समाज हैं, जिनकी लोकतंत्र, बहुलता और नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति सम्मान की सांझी विरासत है, जो इन दोनों देशों को स्वाभाविक सहयोगी बनाती है। दोनों देशों के हित आर्थिक क्षेत्र में भी मिलते हैं। आपसी हितों की यह बैठक व्यापक आध्थक सांझेदारी समझौते (सी.ई.पी.ए.) के सफल निष्पादन में बदलनी चाहिए। सरकारें इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि यह सांझेदारी तेल और गैस, खनिज और कृषि जैसे क्षेत्रों में किस मैक्रोइकोनॉमिक पैमाने पर पहुंच सकती है, जहां व्यापार में $25 बिलियन से बढ़ाकर $50 बिलियन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। भारत और कनाडा के संबंध खास हैं क्योंकि हमारे लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। इंडो-कनाडियन समुदाय की जड़ें कनाडा में 1887 से हैं। इंडो-कनाडियन समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवित पुल की तरह है। सफल और साधन संपन्न इंडो-कनाडियन समुदाय को माइक्रोइकोनॉमिक स्तर पर इस आर्थिक सांझेदारी में विकास के इंजन के रूप में देखा जाना चाहिए। लोगों का नैटवर्क दोनों देशों के बीच व्यापार के अवसरों के लिए नए रास्ते खोल सकता है, जिनकी अन्यथा कल्पना नहीं की जा सकती। इंडो-कनाडियन समुदाय इस समझौते में एक महत्वपूर्ण हितधारक है और दोनों सरकारों को सामुदायिक संगठनों द्वारा भागीदारी और निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित करना चाहिए। सी.ई.पी.ए. को इंडो-कनाडियन समुदाय में बहुत समर्थन प्राप्त है। यह दुनिया में स्थिरता और कनाडा और भारत में आर्थिक समृद्धि लाएगा।-

भारतीय महिलाओं के बच्चे न पैदा करने का असली कारण

> महिलाओं को प्रजनन संबंधी ज्ञान देना कोई नई बात नहीं है। गर्भनिरोधक के अभाव के दौर में, इसका मतलब था कुंवारी युवा दुल्हनों की जल्दी शादी कर देना और क्रिकेट टीम के आकार के परिवार पैदा करना। वास्तव में, कोई विकल्प नहीं था, यह प्रजाति के अस्तित्व का सवाल था। फिर, हमने बीमारियों को रोकने के तरीके खोजे, यहां तक कि कुछ को खत्म भी कर दिया। जो बच्चे पहले जन्म के समय या शिशु अवस्था में मर जाते थे, वे नहीं मरने लगे। जनसंख्या का आंकड़ा लाखों से बढ़कर एक अरब से अधिक हो गया, सटीक रूप से कहें तो 1.4 अरब। अब, अर्थशास्त्री और विचार-संस्थाएं चेतावनी दे रही हैं कि हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश जनसांख्यिकीय गिरावट में बदल रहा है। हममें से जो लोग ऐसे युग में पले-बढ़े हैं, जहां सरकार ने हम दो, हमारे दो को आदर्श के रूप में बढ़ावा दिया, उनके लिए यह बात स्वाभाविक रूप से भ्रमित करने वाली है।

रश्मी बंसल

महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर हर किसी की अपनी राय है। जोहो के श्रीधर वेम्बू ने हाल ही में इस विषय पर अपनी राय देते हुए महिलाओं को सलाह दी कि वे 20 की उम्र में ही बच्चे

पैदा कर लें, न कि इस फैसले को टालें। महिलाओं को प्रजनन संबंधी ज्ञान देना कोई नई बात नहीं है। गर्भनिरोधक के अभाव के दौर में, इसका मतलब था कुंवारी युवा दुल्हनों की जल्दी शादी कर देना और क्रिकेट टीम के आकार के परिवार पैदा करना। वास्तव में, कोई विकल्प नहीं था, यह प्रजाति के अस्तित्व का सवाल था। फिर, हमने बीमारियों को रोकने के तरीके खोजे, यहां तक कि कुछ को खत्म भी कर दिया। जो बच्चे पहले जन्म के समय या शिशु अवस्था में मर जाते थे, वे नहीं मरने लगे। जनसंख्या का आंकड़ा लाखों से बढ़कर एक अरब से अधिक हो गया, सटीक रूप से कहें तो 1.4 अरब। अब, अर्थशास्त्री और विचार-संस्थाएं चेतावनी दे रही हैं कि हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश जनसांख्यिकीय गिरावट में बदल रहा है। हममें से जो लोग ऐसे युग में पले-बढ़े हैं, जहां सरकार ने हम दो, हमारे दो को आदर्श के रूप में बढ़ावा दिया, उनके लिए यह बात स्वाभाविक रूप से भ्रमित करने वाली है। फिर, जनसंख्या को एक समस्या के रूप में बेचा गया और निरोध को रामबाण के रूप में प्रस्तुत किया गया। अब बात करते हैं जैनरेशन एक्स की, जो 1990 के दशक में शादी के लिए तैयार हुई। रविवार के अखबारों में आधे से ज्यादा सांकेतिक भाषा में लिखे वैवाहिक विज्ञापन भरे रहते थे। आई.आई.एम. अहमदाबाद के 1993 बैच (जिसमें मैं भी शामिल हूं) के पास प्रेम विवाह या तयशुदा विवाह का विकल्प था। मैं शादी नहीं करूंगा जैसा कोई विकल्प था ही नहीं। शादी के बाद, आप 2 से 5 साल के भीतर खुशखबरी सुना देते थे। हममें से कई लोग हमारे दो से हमारा एक पर पहुंच गए, लड़का हो या लड़की, कोई भी चलेगा। तो, अगली पीढ़ी के लिए एकमात्र ताध्कक संख्या शून्य ही हो सकती थी। और अब जब आप स्वाइप करके अपनी जिंदगी जी सकते हैं, तो शादी करने की जरूरत ही क्या है? लेकिन यहां तक कि जो लोग करण जौहर से प्रेरित अपनी खुद की शादी के प्रोडक्शन के स्टार बनने से खुद को रोक नहीं सकते, उनके लिए भी बच्चे अभी नहीं हैं-अभी नहीं, और शायद कभी नहीं। ऐसा क्यों हो रहा है, इस बारे में कई तरह के सिद्धांत हैं। लड़कियां करियर पर बहुत ज्यादा ध्यान देना चाहती हैं से लेकर युवा बड़े होकर जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते तक। लेकिन जिन साहसी माता-पिता के बच्चे हैं, उन्हें देखकर मैं एक अलग निष्कर्ष पर पहुंची हूं। समस्या शायद वही है जिसे मैं परफैक्ट पेरैंट सिंड्रोम कहती हूं।जीवन में उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले आज के युवा जोड़े न केवल कार्यालय में, बल्कि पालन-पोषण के क्षेत्र में भी सर्वोच्च स्थान पाने का प्रयास करते हैं। मैंने ऐसे माता-पिता देखे हैं, जो आगंतुकों से कहते हैं कि घंटी न बजाएं क्योंकि इससे बच्चे को परेशानी होगी। ऐसे माता-पिता भी हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उनका बच्चा कभी भी अकेला न रहे, एक मिनट के लिए भी नहीं। और ऐसे भी हैं जो चम्मच लेकर उनके पीछे-पीछे दौड़ते रहते हैं और कहते हैं, बस एक और निवाला! स्वाभाविक रूप से, इंस्टाग्राम पर दिखने वाली मनमोहक तस्वीरों के बावजूद, पालन-पोषण करना बेहद थका देने वाला काम है। क्रिकेट टीम पालने वाली हमारी दादी-नानी को ऐसी कोई ड्डषचता नहीं होती थी। उनके पास चाचा-बुआ, दीदी-भैयाओं का एक पूरा समूह होता था, जो मिलकर बच्चे की परवरिश करता था। इसका मूल अर्थ था- बच्चे को खाना खिलाना और कपड़े पहनाना। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना कि कहीं वह आसपास पड़ी चमकदार धातु की वस्तुओं को निगलकर खुद को नुकसान न पहुंचा ले।अब सारा दबाव माता-पिता पर है, विशेषकर मां पर। अगर वह काम करती है, तो इसका मतलब है ऑफिस की राजनीति के साथ-साथ घर पर नौकरानी, सहायक नौकरानी, रसोइया, आया, ड्राइवर, धोबी आदि का भी ध्यान रखना। और इतनी सारी मदद के बावजूद और सिर्फ एक बच्चे के साथ भी, वह अपनी मां से 10 गुना ज्यादा तनाव में रहती है, जो दिन में 3 बार खाना खुद बनाती थी तो, आप पूछ सकते हैं कि इसका समाधान क्या है? कम उम्र में (20 के दशक के अंत में) बच्चे पैदा करना-हां, कुछ समय के लिए यह थोड़ा अस्त-व्यस्त जरूर होगा, लेकिन फिर आपके पास 40 और उसके बाद का पूरा जीवन आनंद लेने के लिए होगा या फिर देर से (30 के दशक के मध्य और उसके बाद) बच्चे पैदा करना-आपके पास ज्यादा संसाधन होंगे और (उम्मीद है) आप ज्यादा परिपक्व भी होंगे? हालांकि, आपको 50 की उम्र में भी स्कूल की पेरैंट्स-टीचर एसोसिएशन (पी.टी.ए.) में भाग लेना पड़ेगा। उम्र चाहे जो भी हो, बच्चों की परवरिश करना आज के समय में पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल हो गया है। बच्चों के पालन-पोषण के लिए जिस तरह के सामाजिक सहयोग की जरूरत होती है, वह अब हमारे पास नहीं है, और न ही कोई वैकल्पिक सहायता प्रणाली है। हममें से कितने लोगों के पास ऐसे पड़ोसी हैं जो परिवार जैसे हैं और जिन पर हम भरोसा कर सकते हैं कि जरूरत पडने पर हमारा बच्चा उनके साथ 1-2 घंटे बिता सकता है? शायद ऐसे लोग मौजूद हों लेकिन हमें उन्हें जानने का समय ही नहीं मिलता। और फिर कुछ आई.आई.एम. से पढ़े-लिखे दंपत्ति भी होते हैं, जो पूरी गंभीरता से कहते हैं, हम बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते। उनका असल मतलब होता है-हम अपने बच्चे को शहर के सबसे महंगे स्कूल में और बाद में किसी बेहद महंगी आइवी लीग यूनिवर्सटी में नहीं भेज पाएंगे (जो कि जन्मसिद्ध अधिकार है!)। भाई, बच्चों को इन चीजों की जरूरत नहीं होती-उन्हें बस प्यार चाहिए। और हां, थोड़ा संघर्ष किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि शायद यही उनके लिए जरूरी हो ताकि वे कूल, आत्मविश्वासी, संतुष्ट, जागरूक और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बन सकें।

कांग्रेस ने शशि थरूर को दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया

> शायद उनको (थरूर) हवा का रुख बदलने का आभास हो चुका था चूंकि लोकसभा चुनाव (2024) में त्रिवेंद्रम की सीट पर वह बेहद मामूली फर्क से जीते थे। इससे पूर्व लगातार 3 चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद गत वर्ष वह भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखरन को मात्र 12,600 मतों से ही हरा सके थे। संभवतः शहर की सीमाओं के बाहर तटीय इलाकों में रहने वाले आर्थिक रूप से बड़े कमजोर वर्ग के मछुआरों के एकजुट होकर शशि थरूर के पक्ष में मतदान किए जाने की वजह से ही वह जीत पाए थे। शहर के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 पर जीत प्राप्त की, जोकि पूर्ण बहुमत से केवल 1 सीट कम है। हालांकि भाजपा की यह जीत शशि थरूर के लिए खुशी की वजह बनने की संभावना कम ही है। उलटे आने वाले दिनों में स्थानीय (लोकल) सियासी समीकरणों में वह खुद को हाशिए पर पा सकते हैं। निःसंदेह शशि थरूर कांग्रेस पार्टी के एक पुराने, अनुभवी, मृदुभाषी, निष्ठावान व कर्मठ नेता हैं, परन्तु जिस पार्टी ने उनके राजनीतिक करियर को गढ़ा और संवारा, उसी पार्टी के विरुद्ध उनके तथाकथित बयानों, हालिया महीनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुले रूप में प्रशंसा के पुल बांधना और तत्पश्चात रूस के राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने के कारण थरूर को अपनी ही पार्टी में एक तरह से अविश्वसनीय बना डाला है। आप्रेशन सिंदूर के बाद के घटनाक्रमों में सरकार के अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क अभियान के अधीन जब शशि थरूर को एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व सौंपते हुए विदेशों में भेजा गया, तो उस वक्त कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से असहज होना पड़ा था।

मनजीत सोढी

पिछले 45 वर्षों से वाम दलों का गढ़ माने जाते त्रिवेंद्रम के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की चौंकाने वाली जीत ने जहां भाजपा के प्रवेश की भूमि तैयार कर दी है, वहीं पार्टी की इस जीत ने कांग्रेस पार्टी के असंतुष्ट नेता शशि थरूर की हाल की बेचैन कोशिशों के कारण को दशार्या है। शायद उनको (थरूर) हवा का रुख बदलने का आभास हो चुका था चूंकि लोकसभा चुनाव (2024) में त्रिवेंद्रम की सीट पर वह बेहद मामूली फर्क से जीते थे। इससे पूर्व लगातार 3 चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद गत वर्ष वह भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखरन को मात्र 12,600 मतों से ही हरा सके थे। संभवतः शहर की सीमाओं के बाहर तटीय इलाकों में रहने वाले आर्थिक रूप से बड़े कमजोर वर्ग के मछुआरों के एकजुट होकर शशि थरूर के पक्ष में मतदान किए जाने की वजह से ही वह जीत पाए थे। शहर के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 पर जीत प्राप्त की, जोकि पूर्ण बहुमत से केवल 1 सीट कम है। हालांकि भाजपा की यह जीत शशि थरूर के लिए खुशी की वजह बनने की संभावना कम ही है। उलटे आने वाले दिनों में स्थानीय (लोकल) सियासी समीकरणों में वह खुद को हाशिए पर पा सकते हैं। निःसंदेह शशि थरूर कांग्रेस पार्टी के एक पुराने, अनुभवी, मृदुभाषी, निष्ठावान व कर्मठ नेता हैं, परन्तु जिस पार्टी ने उनके राजनीतिक करियर को गढ़ा और संवारा, उसी पार्टी के विरुद्ध उनके तथाकथित बयानों, हालिया महीनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुले रूप में प्रशंसा के पुल बांधना और तत्पश्चात रूस के राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने के कारण थरूर को अपनी ही पार्टी में एक तरह से अविश्वसनीय बना डाला है। आप्रेशन सिंदूर के बाद के घटनाक्रमों में सरकार के अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क अभियान के अधीन जब शशि थरूर को एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व सौंपते हुए विदेशों में भेजा गया, तो उस वक्त कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से असहज होना पड़ा था। अब जबकि उनके (थरूर) अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा का सितारा चमकने के पूरे आधार बने हुए हैं, तो ऐसे वक्त में शशि थरूर पूर्ण आशा कर सकते हैं कि गत कई महीनों में भारतीय जनता पार्टी के साथ मेल-मिलाप बढ़ाने का उन्हें कोई सियासी फायदा मिलेगा? त्रिवेंद्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए शशि थरूर को राजीव चंद्रशेखरन जैसी मजबूत शख्सियत का मुकाबला करना पड़ेगा। नगर निकाय चुनावों में पार्टी के हैरतअंगेज प्रदर्शन को भाजपा में चंद्रशेखरन की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। त्रिवेंद्रम में बढ़ती हुई वाम-विरोधी लहर व माहौल का सामाजिक लाभ कांग्रेस को ही मिलना था लेकिन थरूर के अपनी ही पार्टी के खिलाफ खुले विद्रोह ने कांग्रेस पार्टी को नुकसान ही पहुंचाया है। कांग्रेस वहां तीसरे स्थान पर रही, जबकि वाम दलों ने मुख्य विपक्षी दल की भूमिका बनाए रखी। राजीव चंद्रशेखरन पिछले कुछ वर्षों से इस संसदीय क्षेत्र को साध रहे हैं, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट प्राप्त कर सकें। देखा जाए तो चंद्रशेखरन के पास साधनों की कोई कमी नहीं है, जबकि शशि थरूर के पास बड़ी पूंजी भाषाई ज्ञान तथा वाकपटुता भर है। देखने वाली दिलचस्प बात यह होगी कि क्या थरूर भाजपा का टिकट पाने में सफल होते हैं या उसकी आंतरिक राजनीति का शिकार हो जाते हैं।

सही मायनों में थरूर को कांग्रेस पार्टी ने एक दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। 2026 की शुरूआत में केरल में चुनाव होंगे, जब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व असम में भी चुनाव होने हैं। केरल में जहां किसी समय शशि थरूर को कांग्रेस की एक बड़ी ताकत माना जाता था, वहीं अब स्थानीय चुनावों ने सिद्ध कर दिया है कि राज्य में अब उनकी प्रासंगिकता पहले जैसी नहीं रही। कांग्रेस पार्टी ने थरूर के लिए व्यावहारिक रूप से अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं और यही बात उनके (थरूर) सामने एक भारी दुविधा खड़ी कर रही है। अगर थरूर कांग्रेस के लिए हितकारी साबित नहीं हो सकते, तो क्या भारतीय जनता पार्टी व संघ के लिए उपयोगी हो पाएंगे? स्पष्ट नजर आता है कि कांग्रेस को अधिकाधिक असहज करने के लक्ष्य से ही भाजपा गत कई महीनों से थरूर का फायदा उठा रही है।

3 कदम उठाने भर से मच जाएगी तबाही, कैसे तीन बीघा कॉरिडोर, फरक्का समझौते में फंसा बांग्लादेश?

> कारोबार, मददगार, साझेदार, ये तीन शब्द भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों को परिभाषित करते थे। हालांकि, 2024 के मध्य और खासतौर पर 2025 की शुरूआत से बने हालात अब तनावपूर्ण संबंधों का नया अध्याय लिखते नजर आ रहे हैं। बांग्लादेश जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है वो यह ना भूलले कि मोहम्मद यूनुस की गर्दन पूरी तरह से भारत के पंजे में है। अगर भारत की तरफ आंख उठाने की बांग्लादेश ने कोशिश भी की तो बिना मारे बांग्लादेश में तबाही आ जाएगी। क्योंकि भारत ने अगर तीन बीघा कॉरिडोर या तीन बीघा जो गलियारा है उसको लेकर कदम उठा लिया तो यूनुस छटपटा जाएंगे। आखिर ये तीन बीघा कॉरिडोर क्या है जिसको लेकर बांग्लादेश की नब्ज कहा जा रहा है कि पूरी तरह से भारत के हाथों में है। क्या है फरक्का संधि दरअसल, 12 फरवरी को हुए चुनाव के बाद जब बांग्लादेश में नई सरकार सत्ता में आएगी, तो उसे जिन प्रमुख मुद्दों का समाधान करना होगा, उनमें से एक है भारत के साथ फरक्का जल बंटवारे की संधि का नवीनीकरण, जो 2026 में समाप्त हो रही है और जिसमें स्वतः विस्तार का कोई प्रावधान नहीं है, जिसके कारण नए सिरे से बातचीत करना आवश्यक हो जाएगा। फरक्का में गंगा जल के बंटवारे पर पहला समझौता 7 नवंबर, 1977 को ढाका में हस्ताक्षरित किया गया था। इस संधि से कुछ ही महीने पहले, मार्च में मोरारजी देसाई ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया था, जबकि उसी वर्ष अप्रैल में मेजर जनरल जियाउर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने थे। फिर, जब 12 दिसंबर, 1996 को दूसरे समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, तब भारत के प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और बांग्लादेश की शेख हसीना को पद संभाले हुए केवल छह महीने ही हुए थे।

अगर भारत की तरफ आंख उठाने की बांग्लादेश ने कोशिश भी की तो बिना मारे बांग्लादेश में तबाही आ जाएगी। क्योंकि भारत ने अगर तीन बीघा कॉरिडोर या तीन बीघा जो गलियारा है उसको लेकर कदम उठा लिया तो यूनुस छटपटा जाएंगे। आखिर ये तीन बीघा कॉरिडोर क्या है जिसको लेकर बांग्लादेश की नब्ज कहा जा रहा है कि पूरी तरह से भारत के हाथों में है। कारोबार, मददगार, साझेदार, ये तीन शब्द भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों को परिभाषित करते थे। हालांकि, 2024 के मध्य और खासतौर पर 2025 की शुरूआत से बने हालात अब तनावपूर्ण संबंधों का नया अध्याय लिखते नजर आ रहे हैं। बांग्लादेश जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है वो यह ना भूलले कि मोहम्मद यूनुस की गर्दन पूरी तरह से भारत के पंजे में है। अगर भारत की तरफ आंख उठाने की बांग्लादेश ने कोशिश भी की तो बिना मारे बांग्लादेश में तबाही आ जाएगी। क्योंकि भारत ने अगर तीन बीघा कॉरिडोर या तीन बीघा जो गलियारा है उसको लेकर कदम उठा लिया तो यूनुस छटपटा जाएंगे। आखिर ये तीन बीघा कॉरिडोर क्या है जिसको लेकर बांग्लादेश की नब्ज कहा जा रहा है कि पूरी तरह से भारत के हाथों में है। क्या है फरक्का संधि दरअसल, 12 फरवरी को हुए चुनाव के बाद जब बांग्लादेश में नई सरकार सत्ता में आएगी, तो उसे जिन प्रमुख मुद्दों का समाधान करना होगा, उनमें से एक है भारत के साथ फरक्का जल बंटवारे की संधि का नवीनीकरण, जो 2026 में समाप्त हो रही है और जिसमें स्वतः विस्तार का कोई प्रावधान नहीं है, जिसके कारण नए सिरे से बातचीत करना आवश्यक हो जाएगा। फरक्का में गंगा जल के बंटवारे पर पहला समझौता 7 नवंबर, 1977 को ढाका में हस्ताक्षरित किया गया था। इस संधि से कुछ ही महीने पहले, मार्च में मोरारजी देसाई ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया था, जबकि उसी वर्ष अप्रैल में मेजर जनरल जियाउर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने थे। फिर, जब 12 दिसंबर, 1996 को दूसरे समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, तब भारत के प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और बांग्लादेश की शेख हसीना को पद संभाले हुए केवल छह महीने ही हुए थे। दोनों नेताओं ने जून में अपने-अपने पदभार ग्रहण किए थे। मोदी सरकार संधि पर लेगी बड़ा फैसला? बैराज में दो जगह पानी जाती है। एक तो गंगा में पानी जाती है जो कि बांग्लादेश में चली जाती है। दूसरा हुबली में पानी आती है। समझौते के तहत अगर 75000 क्यूसेक से ज्यादा पानी है तो 45000 क्यूसेक भारत रखेगा और बाकी बांग्लादेश

को दे देगा। अगर 75000 क्यूसेक से कम है 70 से 75000 के बीच में है तो 35000 क्यूसेक भारत रखेगा और बाकी बांग्लादेश को दे देगा। और अगर 70 या 73000 क्यूसेक से भी कम है तो भारत 3000 क्यूसेक रखेगा और बाकी पड़ोसी को देगा। कुल मिलाकर कहे तो भारत को कम से कम 30 से 35000 क्यूसेक जल की आवश्यकता है वो रख के बाकी बांग्लादेश को दे देगा इसलिए ये बैराज बनाया था। अब ये समझौते की मियाद 2026 में खत्म हो रही है। इस बार, भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्थिर और दीर्घकालिक सरकार है, जबकि बांग्लादेश लगभग 17 महीनों की अस्थिरता के बाद लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार की स्थापना की ओर अग्रसर है। यह देखना बाकी है कि क्या संधि का आपसी सहमति से, या कुछ सुधारों के साथ नवीनीकरण किया जाता है, या यदि ढाका भारत को अस्थिर करने की इच्छा रखने वाले कुछ अंतरराष्ट्रीय तत्वों के इशारों पर चलता रहता है तो नई दिल्ली कड़ा रुख अपनाती है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, नई दिल्ली देश और उसके लोगों की सुरक्षा और अखंडता की रक्षा के लिए कार्रवाई करने में संकोच नहीं कर सकती है। संयोगवश, पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के कारण, जिसमें हाल ही में अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुआ घातक आतंकी हमला भी शामिल है, भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। यह निर्णय भारत की संप्रभुता की रक्षा और पाकिस्तान की कार्रवाइयों के खिलाफ जवाबी उपायों के व्यापक पैकेज का हिस्सा था, जिसमें आतंकी लॉन्चपैडों पर सीमा पार सटीक हमले भी शामिल थे। बांग्लादेश की 30% खेती इसी पानी पर निर्भर बांग्लादेश की 30% खेती इसी पानी पर निर्भर है। अगर ऐसा हुआ तो बांग्लादेश के एक बड़े हिस्से में सुखाड़ की स्थिति पैदा हो जाएगी और वहां खेतीबाड़ी सारी चौपट हो जाएगी। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भारत से उसके रिश्ते बिगड़े हुए हैं। ऐसे में उसे डर है कि अगर भारत ने इस समझौते को रिन्यू नहीं किया तो उसकी एक तिहाई आबादी प्यासी मर जाएगी और खेती बिल्कुल चौपट हो जाएगी। यही वजह है कि वह अब अपनी गरीबी का रोना रोते हुए भारत के आगे नाक रगड़ रहा। 3 बीघा गलियारा क्या है जो दे सकता है सबसे बड़ी चोट बांग्लादेश के दहाग्राम और अंगारपोर्टा एन्क्लेव के संबंध में 1974 के एलबीए के अनुच्छेद 1(14) में तीन बीघा के पास 178 मीटर ७ 85 मीटर के इलाके को स्थायी रूप से पट्टे पर देकर इन एन्क्लेव तक पहुंच का प्रावधान है। इसे 7 अक्टूबर, 1982 को भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री और बांग्लादेश के तत्कालीन विदेश मंत्री के बीच और 26 मार्च, 1992 को भारत के विदेश सचिव और बांग्लादेश के अतिरिक्त विदेश सचिव के जरिए लागू किया गया था। यह पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में स्थित है।

न्यूजीलैंड को लगा झटका, लॉकी फर्ग्यूसन हुए चोटिल

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप को शुरू होने में अब एक महीने का समय शेष रह गया है। इससे पहले ही न्यूजीलैंड को झटका लगा है क्योंकि उसके तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोटिल हो गए हैं। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में खेलना संदिग्ध है। फर्ग्यूसन को पिंडली में चोट लग गई है। आईसीसी के अनुसार 34 वर्षीय इस तेज गेंदबाज को 21 दिसंबर को दुबई में एमआई एमिरेट्स के खिलाफ आईएलटी20 लीग मैच में डेजर्ट वाइपर्स के लिए गेंदबाजी करते समय पिंडली में चोट लगी थी। बाद में न्यूजीलैंड के इस क्रिकेटर को आईएलटी20 के शेष मैचों से बाहर कर दिया गया और कप्तानी की जिम्मेदारी इंग्लैंड के सैम करन को सौंप दी गई। बीबीएल से बाहर हुए फर्ग्यूसन इसके अलावा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन को मौजूदा बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 टूर्नामेंट से भी बाहर कर दिया गया है।

साल 2026 का पहला तलाक... माही विज और जय भानुशाली ने 14 साल की शादी का किया अंत

टीवी इंडस्ट्री के लोकप्रिय कपल माही विज और जय भानुशाली ने आखिरकार अपने तलाक की घोषणा कर दी है। दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है, जिससे उनकी 14 साल पुरानी शादी का अंत हो गया। इस खबर के बाद उनके फैंस भावुक हो गए हैं, क्योंकि माही और जय को लंबे समय तक टीवी इंडस्ट्री का मजबूत और खुशहाल जोड़ी माना जाता रहा है। आपको बता दें कि, लंबे समये से दोनों के अलग होने की खबरें आ रही थीं। कपल ने एक संयुक्त बयान जारी कर बताया कि यह फैसला उन्होंने शांति और समझदारी के साथ लिया है। दोनों ने साफ किया कि इस अलगाव में किसी का दोष नहीं है। यह निर्णय नकारात्मकता की वजह से नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आपसी सम्मान और बेहतर भविष्य के लिए लिया गया है। इंस्टाग्राम स्टोरी में दोनों ने लिखा कि उन्होंने प्यार, समझदारी और इंसानियत की साझा कीमतों को साथ आगे बढ़ाया। शांति, खुशी और बच्चों के भले के लिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनका रास्ता अलग है, लेकिन इसमें कोई खलनायक नहीं है। माही और जय दोनों एक-दूसरे का सम्मान करते रहेंगे और अपने फैंस से भी उनकी निजता और फैसले का सम्मान करने की अपील की है। कपल ने बताया कि वे अपनी 6 साल की बेटी तारा की परवरिश मिलकर करते रहेंगे। इसके अलावा, वे अपने अडोप्टेड बच्चों की देखभाल भी साथ मिलकर करेंगे। माही विज और जय भानुशाली ने 2011 में शादी की थी और इसके पहले लंबे समय तक डेट किया था। माही हाल ही में टीवी शो सहर होने को है से 9 साल बाद वापसी कर रही हैं। वहीं जय भानुशाली कई शोज होस्ट कर चुके हैं और फिलहाल विदेश टूर कर रहे हैं।

कानूनी पचड़े में फंसी केजीएफ स्टार यश की मां, जमीन हड़पने का लगा आरोप

कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश आमतौर पर अपनी फिल्मों और पर्सनलिटी को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी मां पुष्पा अरुण कुमार से जुड़ा एक कानूनी मामला है। हाल ही में कोर्ट के आदेश के बाद इस केस में नया मोड़ आया है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। दरअसल, हसन जिले के विद्यानगर इलाके में स्थित एक आवासीय परिसर को लेकर विवाद सामने आया था। इस मामले में जीपीए धारक देवराजू ने यश की मां पुष्पा अरुण कुमार पर करीब 1500 वर्ग फुट जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया था। शिकायत के मुताबिक, उक्त जमीन पर मालिकाना हक देवराजू का था, लेकिन वहां पुष्पा अरुण कुमार की ओर से एक बड़ा परिसर बनवा लिया गया था। अपनी जमीन वापस पाने के लिए देवराजू लंबे समय से कोर्ट के चक्कर काट रहे थे। आखिरकार अदालत के आदेश के बाद अब शिकायतकर्ता ने अपने कब्जे वाली जमीन को खाली करवा लिया है। यह पहला मौका नहीं है जब यश की मां किसी विवाद के कारण सुर्खियों में आई हों। इससे पहले भी वह एक बड़े धोखाधड़ी मामले की शिकार हो चुकी हैं। उस वक्त पुष्पा अरुण कुमार ने फिल्म प्रमोटर हरीश अरासु के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मामला कन्नड़ फिल्म कोथलावाड़ी के प्रमोशन से जुड़ा था, जिसे पुष्पा के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाया गया था। शिकायत के अनुसार, फिल्म के प्रमोशन की जिम्मेदारी हरीश अरासु को सौंपी गई थी, जिसमें करीब 2.3 लाख रुपये खर्च होने थे।

फोटोग्राफर्स के कपड़ों को लेकर जया बच्चन के कमेंट पर भड़के पैपराजी, कहा-हमें पर्सनली बहुत बुरा लगा

एक्ट्रेस जया बच्चन पिछले साल पैपराजी पर किए अपमानजनक बयान को लेकर खूब सुर्खियों में रहीं। उनके बयान की खूब आलोचना हुई। हालांकि, इस साल भी उनके इस बयान की चर्चा हो रही है और इसके लिए उन्हें अभी तक ट्रोल किया जा रहा है। अब हाल ही में मशहूर पैपराजी वरिंदर चावला ने जया बच्चन की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी और बताया कि उन्हें पर्सनली एक्ट्रेस की बातें पसंद नहीं आईं। जया बच्चन की पैपराजी को लेकर की गई गंदे कपड़ों वाली टिप्पणी से पत्रकार वर्ग को काफी ठेस पहुंची थी। हालांकि, पत्रकार ही नहीं, कई सेलेब्स भी जया के कमेंट की निंदा करते नजर आए थे। वहीं, हाल ही में वरिंदर चावला ने सिद्धार्थ कन्नन से बात में कहा, श्मेरे कर्मचारियों के बारे में उनकी टिप्पणियों से हमें पर्सनली बहुत बुरा लगा। हम सभी को दुख हुआ। अपनी बात कहने के कई तरीके होते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं था। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक्टर्स ने मीडिया के साथ सीमाएं तय की हैं, उन्होंने कहा, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा और विराट कोहली, इन सभी ने पैपराजी को चाय पर बुलाया और हमसे विनम्रता से रिक्वेस्ट की कि हम उनके बच्चों की तस्वीरें न लें। आज तक, हमने उस रिक्वेस्ट का सम्मान किया है और उनके बच्चों की कभी तस्वीरें नहीं लीं।

कैमरामैन के कपड़ों पर जया के कमेंट पर रिएक्ट करते हुए उन्होंने कहा, श्जया जी के घर में कई स्टाफ मेंबर होंगे जो यूनिफॉर्म पहनते हैं। लेकिन पर्दे के पीछे, कौन जानता है कि उनकी फाइनेंशियल हालत या पर्सनल परेशानियां क्या हैं? उनके कमेंट्स सिर्फ फोटोग्राफर्स को ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में काम करने वाले हर किसी को प्रभावित करते हैं, जिसमें स्पॉट बॉय भी शामिल हैं। यह दिखाता है कि वह आम आदमी को कैसे देखती हैं। सिर्फ फोटोग्राफर वरिंदर चावला ही नहीं, बल्कि कई फोटोग्राफर्स ने इस बारे में बात की कि अगर जया जी नहीं चाहतीं कि हम उनकी तस्वीरें खींचें, तो शायद हमें यह पूरी तरह बंद कर देना चाहिए। बॉयकॉट के तौर पर नहीं, बल्कि बस उन्हें प्यार से बताकर कि हम अब उनकी तस्वीरें नहीं खींचेंगे। हमारे लड़कों ने कभी उनके साथ बदतमीजी नहीं की। वे हमेशा उन्हें इज्जत से जया जी कहकर बुलाते हैं। भगवान जाने वह हर समय इतनी परेशान क्यों दिखती हैं। इवेंट्स में सेलेब्स के लिए पैपराजी को इग्नोर करने के आसान ऑप्शन के बारे में बात करते हुए, पैपराजो ने शेयर किया, श्हर इवेंट में दो एंट्री होती हैं, रेड कार्पेट और बैक एंट्री। अगर आप नहीं चाहते कि आपकी फोटो खींची जाए, तो चुपचाप पीछे के गेट से अंदर आ जाएं। आपकी च्ट टीम और इवेंट ऑर्गनाइजर आसानी से आपकी मदद कर सकते हैं। लेकिन अगर आप जानबूझकर रेड कार्पेट पर चलते हैं और फिर हंगामा करते हैं, तो इसका कोई मतलब नहीं है।

नहीं बनेगा विजय देवरकोंडा की किंगडम का सीक्वल, डायरेक्टर बोले-पहले ही पता था ये फ्लॉप होगी

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की फिल्म किंगडम को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। जब यह 2025 में रिलीज हुई, तो फैंस को इससे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, रिलीज के बाद फिल्म दर्शकों का उत्साह ठंडा कर दिया और बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। अब इसी के चलते फिल्म के मेकर्स ने इसके सीक्वल किंगडम 2 को न बनाने का फैसला किया है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के निर्देशक नागा वामसी ने की है। फिल्म को लेकर बातचीत करते हुए नागा वामसी ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह अब अपनी फिल्मों का जरूरत से ज्यादा प्रचार या तारीफ करने से बचना चाहते हैं। उनके मुताबिक, ह्लमैं अपनी फिल्मों को बहुत ज्यादा प्रमोट नहीं करना चाहता, क्योंकि 2025 में यही तरीका मेरे लिए उल्ट्या पड़ गया। नागा वामसी ने किंगडम के बॉक्स ऑफिस वर्डिक्ट को लेकर कहा-रिलीज से लगभग एक हफ्ते पहले ही मुझे पता चल गया था कि फिल्म नहीं चलेगी। बात हिट या फ्लॉप होने की नहीं थी। मुझे पता था कि फिल्म के दूसरे पार्ट में कुछ गड़बड़ है। इसे इमोशनल तौर पर मजबूत होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस फिल्म में कहीं न कहीं वो मूल भावना गायब थी। हमें पता था कि किंगडम कोई बुरी फिल्म नहीं है, लेकिन फिर भी मुझे कुछ शक था। हमारा मकसद था कि पहले ही दिन बजट का लगभग 70 प्रतिशत वसूल हो जाए। एक बार फिल्म रिलीज हो जाए, तो आप कुछ नहीं बदल सकते। इसलिए हमारा पूरा ध्यान जबरदस्त ओपनिंग पर था। किंगडम के फ्लॉप होने पर नागा वामसी ने कहा-मैं किसी को दोष नहीं दे रहा हूं। अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। फिल्म बुरी नहीं है, लेकिन कहीं न कहीं हमसे चूक हो गई। चाहे कास्टिंग में गड़बड़ी हो या कुछ और, मैं अभी भी ठीक से बता नहीं सकता। कुछ लोगों ने कहा कि संगीत में गड़बड़ी थी।

आलिया भट्ट ने शेयर की नए साल में रणबीर कपूर के साथ खास तस्वीर

बेटी राहा की क्यूट तस्वीर पर फिदा हुए फैंस

आलिया भट्ट ने कुछ ही देर पहले आज अपनी रणबीर कपूर और बेटी राहा कपूर की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। राहा की इस फोटो को देखकर फैंस बेहद खुश हो गए हैं।

आलिया भट्ट इन दिनों अपने कई प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इसी बीच आलिया ने आज एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है। इस तस्वीर को आलिया ने 2026 के स्वागत के साथ शेयर किया है, जिसमें उनके साथ रणबीर और राहा भी नजर आ रहे हैं। आलिया का पोस्ट आलिया ने इंस्टाग्राम पर नए साल के स्वागत में एक खास तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर समंदर किनारे की लग रही है। इस तस्वीर में रणबीर बेटी राहा को हवा में उठाए नजर आ रहे हैं और आलिया उन्हें चीयर करती दिखाई दे रही हैं। इस पोस्ट के साथ आलिया ने कैप्शन में लिखा, 'आगे बढ़ते रहो प्यारे...।' इसी के साथ आलिया ने सभी को 2026 की शुभकामनाएं भी दी हैं। आलिया की इस तस्वीर को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं और साथ ही लाल दिल वाला इमोजी बना रहे हैं। आलिया का वर्कफ्रंट आलिया जल्द ही फिल्म 'अल्फा' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी। 'अल्फा' एक जासूसी एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी नजर आएंगे। इस फिल्म के अलावा आलिया 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। 'लव एंड वॉर' का निर्देशन संजय लीला भंसाली करेंगे। इस फिल्म के सेट की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुकी हैं। रणबीर कपूर का वर्कफ्रंट रणबीर कपूर फिल्म 'लव एंड वॉर' के अलावा नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगे। 'रामायण' का पहला भाग इस साल दिवाली पर रिलीज किया जाएगा और दूसरा भाग 2027 में रिलीज हो सकता है। 'रामायण' में रणबीर प्रभु राम की भूमिका में नजर आएंगे। कन्नड़ एक्टर यश रावण और साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। सनी देओल राम भक्त हनुमान के रोल में और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।

सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने की सगाई, गर्लफ्रेंड के साथ शेयर कीं फोटोज ; मलाइका अरोड़ा ने दी बधाई

सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने सगाई कर ली है। उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी को मंगनी की अंगूठी पहनाई है। अयान ने सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर की हैं। खान फैमिली में शहनाई बजने वाली है। सलीम खान और सुशीला चरक (सलमा खान) के नाती अयान अग्निहोत्री जिंदगी का नया अध्याय शुरू करने वाले हैं। नए साल में उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी के साथ सगाई की है। सलमान खान के भांजे ने अपनी सगाई की फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं। इन पर मलाइका अरोड़ा से लेकर सोनाक्षी सिन्हा तक, तमाम सेलेब्स ने बधाई दी हैं। मंगनी की अंगूठी फ्लॉन्ट करते दिखे अयान अग्निहोत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सगाई की फोटोज शेयर की हैं। वे अपनी गर्लफ्रेंड टीना को किस करते नजर आ रहे हैं। एक अन्य फोटो में टीना और अयान अपनी मंगनी की अंगूठी फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'साल 2025 में मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को पीछे छोड़ दिया है'। इसके साथ उन्होंने रिंग और रेड हार्ट इमोजी पोस्ट किया है। सेलेब्स ने दीं शुभकामनाएं अयान और टीना की सगाई पर सेलेब्स ने बधाई दी है। अयान अग्निहोत्री की दोनों एक्स मामी, मलाइका अरोड़ा और सीमा सजदेह ने भी शुभकामनाएं दी हैं। मलाइका अरोड़ा की शादी अयान के मामा अरबाज खान से हुई थी, लेकिन अब दोनों का तलाक हो चुका है। वहीं, सीमा सजदेह की शादी सोहेल खान से हुई थी, उनका भी तलाक हो चुका है। मलाइका अरोड़ा ने रेड हार्ट इमोजी बनाकर कमेंट लिखा है, 'यानी, टीना'। वहीं, सोनाक्षी सिन्हा ने लिखा है, 'ओएमजी। बहुत बधाई हो दोनों को। बहुत खुशी हुई'। सीमा सजदेह ने लिखा है, 'यानी को बहुत बधाई'। इसके अलावा प्रनूतन और अमृता अरोड़ा सहित कई अन्य सेलेब्स ने भी रिएक्ट किया है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन की सेहत में हो रहा सुधार

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी सामने आई है। मार्टिन की सेहत में अब सुधार हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन के परिवार के हवाले से आई एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। मार्टिन को हाल ही में दिमागी बुखार (मेनिन्जाइटिस) का पता चलने के बाद गोल्ड कोस्ट के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दाएं हाथ के 54 साल के इस पूर्व बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच खेले। वह अस्पताल में कोमा में थे। रिपोर्ट के अनुसार, अस्पताल में भर्ती होने के बाद अपने पहले बयान में क्रिकेटर के परिवार ने कहा, डेमियन की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है। मेनिन्जाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद इस पूर्व खिलाड़ी के परिवार ने अपने पहले सार्वजनिक बयान में गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी अस्पताल के कर्मचारियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है। मार्टिन का करियर डार्विन में जन्मे मार्टिन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1992-93 की सीरीज में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने आखिरी टेस्ट एशेज 2006-07 में खेला जिसके बाद वह कमेंट्री करने लगे। उन्होंने 208 वनडे में 40.8 की औसत से रन बनाये और 1999 तथा 2003 विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया टीम के सदस्य थे।

म्यांमार में हजारों कैदी हुए रिहा आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर सैन्य सरकार का एलान

बैंकाक। म्यांमार के सैन्य शासन ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हजारों बंदियों को रिहा किया है, जिसमें विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। हालांकि, पूर्व नेता आंग सान सू की और अन्य राजनीतिक विरोधियों की रिहाई पर संशय बना हुआ है। आलोचक इसे आगामी चुनावों से पहले सरकार की छवि सुधारने की कोशिश मान रहे हैं। म्यांमार की सैन्य शासन ने रविवार को ब्रिटेन से देश की आजादी की 78वीं सालगिरह के मौके पर 6,100 से ज्यादा कैदियों को माफ कर दिया है। इसके साथ ही अन्य कैदियों की सजा में भी कटौती की गई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि रिहा किए गए लोगों में सैन्य शासन का विरोध करने के लिए जेल में बंद हजारों राजनीतिक कैदी शामिल हैं या नहीं। 6,134 कैदी हुए रिहा यह माफी ऐसे समय में दी गई है जब सैन्य सरकार एक महीने लंबी चुनाव प्रक्रिया चला रही है। आलोचकों का मानना है कि यह कवायद मौजूदा स्थिति को वैधता देने का महज एक दिखावा है।

सरकारी टेलीविजन 'एमआरटीवी' के अनुसार, सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन ऑन्ग लैइंग ने कुल 6,134 कैदियों को माफी दी है। 52 विदेशी नागरिक भी होंगे रिहा एक अन्य बयान में बताया गया कि 52 विदेशी नागरिकों को भी रिहा करके स्वदेश भेजा जाएगा। रिहा किए गए लोगों की कोई विस्तृत सूची उपलब्ध नहीं है। बताया जा रहा गंभीर अपराधों जैसे हत्या और दुष्कर्म के दोषियों या सुरक्षा कानूनों के तहत सजा काट रहे लोगों को छोड़कर अन्य कैदियों की सजा कम कर दी गई है। रिहाई की शर्तों में चेतावनी दी गई है कि अगर मुक्त किए गए कैदी दोबारा कानून तोड़ते हैं, तो उन्हें नई सजा के साथ-साथ अपनी पुरानी सजा की बची हुई अवधि भी काटनी होगी। कैदियों की रिहाई आम बात बता दें कि म्यांमार में छुट्टियों और अन्य महत्वपूर्ण मौकों पर कैदियों की रिहाई आम बात है। इस खबर के सामने आने के बाद यांगून की इनसेन जेल के बाहर कैदियों के परिजन सुबह से ही जमा हो गए थे। हालांकि, इस बात का कोई संकेत नहीं मिला कि रिहा होने वालों में पूर्व नेता आंग सान सू की शामिल हैं। उन्हें 2021 के तख्तापलट के बाद से ही अलग-थलग रखा गया है। एक स्वतंत्र संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, आंग सान सू की सहित 22,000 से अधिक राजनीतिक बंदी अभी भी हिरासत में हैं। बता दें कि म्यांमार को 4 जनवरी, 1948 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। इस अवसर पर राजधानी नेप्यीडॉ के सिटी हॉल में ध्वजारोहण समारोह के साथ वर्षगांठ मनाई गई।

उत्तरी नाइजारियों में गांव पर बंदूकधारियों ने किया हमला 30 से ज्यादा की मौत

मिन्ना (नाइजीरिया)। उत्तरी नाइजीरिया के एक गांव पर बंदूकधारियों ने हमला कर 30 से अधिक लोगों की हत्या कर दी और कई को अगवा कर लिया। हमलावरों ने स्थानीय बाजार और कई घरों को भी आग के हवाले कर दिया। उत्तरी नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने एक गांव पर हमला किया, जिसमें 30 लोग मारे गए और कई लोग अगवा किए गए। यह इस इलाके में लगातार हो रही हिंसा की कड़ी में ताजा मामला है।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बंदूकधारियों ने नाइजर राज्य के कसुअवान-दाजी गांव में शनिवार शाम को घुसकर ग्रामीणों पर गोलियां चलाईं। यह गांव बोर्गु स्थानीय प्रशासन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने स्थानीय बाजार और कई घर भी जला दिए। दो ग्रामीणों ने मृतकों की संख्या 37 बताई और कहा कि यह संख्या और अधिक हो सकती है, क्योंकि कई लोग रविवार तक लापता थे। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सुरक्षा कर्मी अब तक क्षेत्र में नहीं पहुंचे हैं। यह पुलिस के उस दावे के विपरीत है कि उन्होंने अगवा किए गए लोगों की तलाश के लिए अधिकारी तैनात कर दिए हैं।

सीरिया में ब्रिटेन और फ्रांस की संयुक्त कार्रवाई आतंकी संगठन आईएस के ठिकानों पर बरसाए बम

लंदन। ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं ने शनिवार को सीरिया में हवाई हमले किए और आतंकी संगठन आईएस के ठिकाने को निशाना बनाया। गौरतलब है कि सीरिया में आईएस के

खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कार्रवाई तेज कर दी है। ब्रिटेन और फ्रांस के लड़ाकू विमानों ने सीरिया में आतंकी संगठन आईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सीरिया में आईएस के हथियारों के ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिन्हें एक सुरंग में छिपाकर रखा गया था। ब्रिटेन की सरकार ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि सीरिया में हवाई हमले शनिवार को किए गए। यह हमले सीरिया के होम्स प्रांत के ऐतिहासिक पल्मायरा के पहाड़ी इलाके में किए गए। आईएस के ठिकाने तक जाने वाली सुरंगों को बनाया गया निशाना ब्रिटेन और फ्रांस अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा हैं, जो एक दशक से भी ज्यादा समय से खूंखार आतंकी संगठन आईएस से लड़ रहा है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया ब्रिटिश सेना ने हवाई हमले में टाइफून 0 लड़ाकू जेट का इस्तेमाल किया, जिसे वॉयजर रीफ्यूलिंग टैंकर का समर्थन मिला और इस संयुक्त हमले में फ्रांसीसी विमान भी शामिल हुए। बयान में कहा गया कि ब्रिटिश वायु सेना ने आईएस के ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाया और इसके लिए पेववे क्स गाइडेड बमों का इस्तेमाल किया। बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन के बाद स्थिति का आकलन किया जा रहा है, लेकिन शुरूआती संकेत ये है कि लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया। सीरिया और इराक में आईएस के आतंकी सक्रिय हमलों पर सीरियाई सरकार की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सीरिया पिछले साल के अंत में आईएस विरोधी गठबंधन में शामिल हुआ था। साल 2019 में सीरिया में हार के बावजूद, आईएस की अभी भी सीरिया में मौजूदगी है और इसके स्लीपर सेल अभी भी सीरिया और इराक में घातक हमले करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का कहना है कि अभी भी सीरिया और इराक में आईएस के करीब 5,000 से 7,000 सदस्य सक्रिय हैं।

मादुरो की तरह पुतिन का भी हो हाल

वॉशिंगटन/कीव। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन पर बिना नाम लिए निशाना साधा। जबकि रूस ने मादुरो की रिहाई की मांग की, वहीं ट्रंप ने न्यूयॉर्क में मुकदमे की पुष्टि की। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की ओर से नाटकीय ढंग से पकड़े जाने के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वाशिंगटन अब तानाशाहों से निपटने के लिए आगे क्या करना है यह जानता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जेलेंस्की से मादुरो की गिरफ्तारी पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा मैं क्या कह सकता हूं? अगर तानाशाहों के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो

अमेरिका जानता है कि अगला कदम क्या होना चाहिए। उनका यह बयान साफ तौर पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर संकेत माना जा रहा है। रूस ने की मादुरो को रिहा करने की मांग इस बीच रूस ने अमेरिका से मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को रिहा करने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मादुरो वेनेजुएला के वैध रूप से चुने गए राष्ट्रपति हैं और अमेरिका को उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए। रूस ने यह भी जोर दिया कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवादों का समाधान बातचीत के जरिए होना चाहिए। न्यूयॉर्क में चलेगा मादुरो पर मुकदमा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, मादुरो और उनकी पत्नी को कारा कास से एक संयुक्त अभियान में पकड़ा गया और अमेरिका लाया गया। उन पर न्यूयॉर्क के साउदर्न डिस्ट्रिक्ट में ड्रग तस्करी और नार्को-आतंकवाद से जुड़े आरोप लगाए गए हैं। ट्रंप ने कहा कि दोनों को अमेरिकी अदालत में पेश किया जाएगा। अमेरिका ने मादुरो की हथकड़ियों में पर्प वॉक का वीडियो भी जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, जो अपनी खराब और अमानवीय परिस्थितियों के लिए कुख्यात है।

दंगाईयों को उनकी जगह दिखाओ विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की धमकी

तेहरान। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों को लेकर वहां के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान सामने आया है। खामेनेई ने सुरक्षा बलों को खुली छूट देते हुए प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान सामने आया है। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को धमकी दी है और सुरक्षाबलों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। खामेनेई ने कहा कि जो दंगाई हैं, उन्हें उनकी जगह दिखाई जाए। खामेनेई का बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। खामेनेई के इस बयान को ईरान के सुरक्षा बलों के लिए खुली छूट माना जा रहा है और अब वे प्रदर्शनकारियों पर और सख्ती बढ़ा सकते हैं। खामेनेई ने विदेशी ताकतों पर लगाए साजिश रचने के आरोप ईरान के राष्ट्रीय टीवी पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान जारी किया गया। इस बयान में खामेनेई ने कहा, 'हम प्रदर्शनकारियों से बात कर रहे हैं, अधिकारियों को भी प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए, लेकिन बात करने से कोई फायदा नहीं होगा। दंगाइयों को उनकी जगह पर पहुंचा देना चाहिए।' खामेनेई ने विरोध प्रदर्शन के पीछे विदेशी ताकतों के हाथ होने का दावा किया। उन्होंने कहा, 'दुश्मनों द्वारा खरीदे गए कुछ लोग इस विरोध प्रदर्शन के पीछे हैं', जो दुकानदारों और प्रदर्शनकारी लोगों के पीछे से ईरान, ईरानी गणतंत्र और इस्लाम के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।' अमेरिका ने प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के अभी थमने के आसार नहीं लग रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि अगर ईरान की सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करती है तो अमेरिका उनके बचाव में आएगा। ट्रंप के इस बयान पर ईरान की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर हमले की धमकी दी। ईरान में साल 2022 में भी एक 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की मौत के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। महसा अमीनी को बुर्का न पहनने के लिए प्रताड़ित किया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। 2022 के बाद ईरान में अब इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ईरान के कट्टरपंथी नेता प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियन प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के पक्ष में हैं।

मामला ड्रग्स या लोकतंत्र का नहीं तेल का ,वेनेजुएला को लेकर ट्रंप पर भड़कीं कमला हैरिस

वॉशिंगटन। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। उन्होंने कहा यह कार्रवाई लोकतंत्र या ड्रग्स नहीं, तेल हितों से प्रेरित है। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की राजनीति में तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इस कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला बोला है। हैरिस ने कहा कि यह कदम न तो ड्रग तस्करी रोकने के लिए है और न ही लोकतंत्र की रक्षा के लिए, बल्कि

इसके पीछे तेल हित हैं। 'तेल की जंग, लोकतंत्र का बहाना कमला हैरिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई अमेरिका को न तो ज्यादा सुरक्षित बनाती है और न ही मजबूत। उन्होंने कहा मादुरो एक क्रूर और अवैध तानाशाह हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह कार्रवाई सही या कानूनी है। हमने पहले भी ऐसा देखा है तेल या सत्ता परिवर्तन के नाम पर शुरू की गई जंग, जो अंत में अराजकता बन जाती है। हैरिस ने चेतावनी दी कि जबरन सत्ता परिवर्तन की नीति से पूरा क्षेत्र अस्थिर हो सकता है और इससे अमेरिकी सैनिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के पीछे न तो कोई स्पष्ट कानूनी आधार है और न ही कोई एग्जिट प्लान। न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया युद्ध जैसी कार्रवाई न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने भी मादुरो और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे युद्ध जैसा कदम और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। एक्स पर पोस्ट करते हुए ममदानी ने कहा कि उन्हें अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर न्यूयॉर्क लाने और संघीय हिरासत में रखने की जानकारी दी गई है। उनका कहना था कि किसी संप्रभु देश पर एकतरफा हमला करना युद्ध की श्रेणी में आता है और यह अमेरिकी व अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। मेयर ममदानी ने चेतावनी दी कि इस कदम के न्यूयॉर्क में रहने वाले हजारों वेनेजुएलाइयों पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल भंडार पर ट्रंप की नजर? मादुरो की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने बयान दिया कि अमेरिका अब वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों को अपने नियंत्रण में लेगा। गौरतलब है कि वेनेजुएला के पास करीब 303 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है, जो दुनिया के सबसे बड़े प्रमाणित तेल भंडारों में से एक है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वहां निवेश कर तेल क्षेत्र का पुनर्निर्माण करेंगी।

बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी की मौत के मामले में तीन गिरफ्तार मरने से पहले लिया आरोपी का नाम

ढाका। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजोल देबनाथ ने दास की मौत के बाद कहा कि दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत थी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यक धर्मों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। बांग्लादेश में भड़की हिंसा की आग में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इस बीच बांग्लादेश के शरियतपुर जिले में एक हिंदू व्यापारी की बेरहमी से हत्या करने और उसे जलाकर मार डालने के मामले में रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। ढाका से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में स्थित शरियतपुर जिले के केउरभंगा बाजार के पास बुधवार रात को 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास पर हमला किया गया। शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई। प्रोथोम आलो अखबार ने बताया कि रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) की एक टीम ने रविवार सुबह ढाका से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित किशोरगंज से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। तीन लोगों को किया गया गिरफ्तार गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान 27 वर्षीय दामुदयार सोहाग खान, 21 वर्षीय रब्बी मोल्या और 25 वर्षीय पलाश सरदार के रूप में हुई। आरएबी मदारीपुर कैंप कंपनी कमांडर पुलिस अधीक्षक मीर मोनिर हुसैन ने प्रोथोम अलो को बताया कि आरोपियों को किशोरगंज से मदारीपुर कैंप लाया जा रहा था। मदारीपुर शरीयतपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार चलाने वाले दास एक ऑटो रिक्शा में यात्रा कर रहे थे, तभी हमलावरों ने वाहन को रोक लिया। इस दौरान कथित तौर पर उनकी पिटाई की, धारदार हथियारों से उन पर वार किए और फिर उनके सिर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मीडिया रिपोर्टों में गुरुवार को इस घटना का जिक्र किया गया था। हमलावरों से बचने के लिए तालाब में कूदे थे खोकन दास खुद को बचाने की कोशिश में दास सड़क किनारे बने तालाब में कूद गए।

गुड नाइट, हैप्पी न्यू ईयर गिरफ्तारी के बाद न्यूयॉर्क पहुंचने पर ये थे निकोलस मादुरो के पहले शब्द

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अमेरिका की हिरासत से एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि निकोलस मादुरो गिरफ्तारी के बाद भी शांत बने हुए हैं और उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों को गुड नाइट कहा और नए साल की शुभकामनाएं भी दीं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद रविवार को न्यूयॉर्क लाया गया। न्यूयॉर्क में डीईए के केंद्र में निकोलस मादुरो की हाथों में हथकड़ी लगे वीडियो सामने आई है। डीईए सेंटर पहुंचने पर मादुरो ने वहां के अधिकारियों से कहे अपने पहले शब्दों में उन्हें नए साल का शुभकामनाएं दीं। सामने आया वीडियो निकोलस मादुरो के डीईए सेंटर लाए जाने का वीडियो सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि डीईए के दो अधिकारी निकोलस मादुरो को पकड़कर ला रहे हैं और एक अन्य अधिकारी पीछे चल रहे हैं। निकोलस मादुरो के हाथों में हथकड़ी बंधी है और दोनों अधिकारी उन्हें पकड़कर चल रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि निकोलस मादुरो ने डीईए के अधिकारियों को गुड नाइट और हैप्पी न्यू ईयर कहा। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति बनीं कार्यवाहक राष्ट्रपति अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को बंधक बनाए जाने के बाद वेनेजुएला के सुप्रीम कोर्ट ने उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त कर दिया है। वेनेजुएला के सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने शनिवार को आदेश जारी करते हुए कहा कि निकोलस मादुरो की अनुपस्थिति में डेल्सी रोड्रिग्ज देश की कार्यवाहक राष्ट्रपति होंगी। अदालत ने कहा कि यह कदम प्रशासनिक निरंतरता और राष्ट्र की समग्र रक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आगे इस मामले पर कानूनी ढांचे को लेकर चर्चा करेगा, ताकि राज्य की निरंतरता, सरकार का संचालन और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। शनिवार को अभियान चलाकर अमेरिका ने निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ा न्यूयॉर्क पहुंचने पर मादुरो को मैनहट्टन स्थित संघीय अदालत में पेश किया जाना है। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर शनिवार को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को वेनेजुएला की राजधानी कराकास से गिरफ्तार किया और उन्हें अमेरिका लाया गया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।